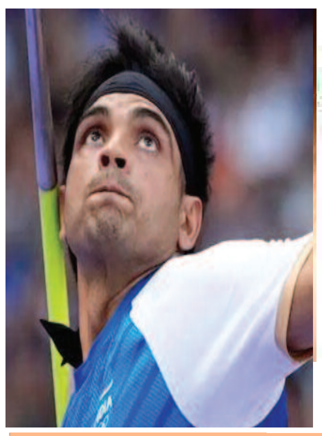

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी, अगले सीजन में दमदार वापसी के लिए -पेज: 7

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने की सगाई! -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 182 | गुरुवार 09 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

राजौरी में मुठभेड़ के बाद गायब हुए 4 आतंकियों को तलाशने में जुटा सुरक्षा बल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षा बलों के आतंकियों से मुठभेड़ हुई इसके बाद वे अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मंगलवार की रात दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग की गई थी। इसके बाद आतंकी जंगल की ओर भाग गए थे। बीरंथुब में हुए इस एनकाउंटर के बाद से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ की जॉइंट टीमें यहां पर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। मंगलवार की पूरी रात चली सर्चिंग के बाद बुधवार सुबह भी सर्च ऑपरेशन जारी है। यहां 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर है। सुरक्षाबल राजौरी-कोटरणका-बुधाले सड़क से गुजरने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। वहीं, आज सुबह से टेरर फंडिंग केस को लेकर स्टेट इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) श्रीनगर, गांदरबल, वडगाम, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपुरा और गांदरबल में छापेमारी कर रही है।

कुलगाम में 2 हुए थे ढेर

इससे पहले पिछले माह सितंबर में सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया था। गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया था। इस दौरान घायल हुए दो जवान भी शहीद हुए थे। मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के तौर पर हुई थी। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था।

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में चचेरा भाई डीएसपी संदीपन अरेस्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को अरेस्ट किया गया है। संदीपन, सिंगर के चचेरे भाई हैं। हादसे के वक्त वे सिंगापुर में साथ थे। अधिकारी ने बताया कि संदीपन से जुबीन की मौत को लेकर पिछले कुछ दिनों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्ज किया है। बात दें कि जुबीन की मौत के मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्यों शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत को अरेस्ट किया गया था। जुबीन गर्ग का निधन सिंगापुर में 19 सितंबर को हुआ था। सिंगर 20 सितंबर को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के लिए सिंगापुर गए हुए थे, जहां उन्होंने वाटर एडवेंचर कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। दावा किया गया कि उनकी मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान एक हादसे में हुई थी।

आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट... 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह झुलसे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के डॉ.बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। बुरी तरह झुलस गए शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई लोग घायल हैं। प्रशासन के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। पुलिस अधिकारी राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों के शव बुरी तरह झुलसे हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। लोकल रिपोर्ट्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं घटना पर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। सीएम नायडू ने पोस्ट कर लिखा कि इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है।

राजस्थान में कई दवाओं के सैंपल जांच में फेल... लेकिन रिपोर्ट आने तक बिक गई हजारों दवाए

जयपुर (एजेंसी)। कफ सिरप से बच्चों के मौत का मामला अभी सुर्खियों में है। लेकिन इसी बीच लोगों की सेहत से जुड़ी एक और बड़ी लापरवाही सामने आई है। सिर्फ राजस्थान में एक साल के अंदर कई बड़ी बीमारियों की दवाओं के सैंपल फेल हुए है। लेकिन उससे पहले ही दवाओं की हजारों गोलियां बेची जा चुकी हैं। जिन दवाओं के सैंपल फेल हैं, उसमें एंटी बायोटिक से लेकर कार्डियक अरेस्ट जैसे गंभीर बीमारियों की टैबलेट शामिल हैं। वहीं, सैंपल में कई दवाओं से साल्ट भी गायब मिले। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दवा नियंत्रण क़ानून में कई ख़ामियां हैं। इसका फ़ायदा उठाकर आम लोगों के जीवन से खेलने का ये कारोबार बेधड़क जारी है। दवाइयों के सैंपल फेल होने का मामला राजस्थान के औषधि नियंत्रण विभाग की जांच में सामने आया। औषधि नियंत्रण विभाग ये लापरवाही सामने आई की लेबोरेटरी में जांच हो रही है और नतीजे भी आ रहे हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। राजस्थान ड्रग कंट्रोलर विभाग के अनुसार सैकड़ों दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं। जांच में इमोक्सीसिलन, क्लेवूलेनिक एसिड टैबलेट, सिफोफ्लोक्सासिन, सेफपोडॉक्सिन, सेफट्राइजोन इंजेक्शन के 6 बैच फेल मिले। जांच से पहले मेडिरिच लिमिटेड की 1 लाख से अधिक दवाइयां बिक चुकी थीं।

स्टेराइड: बीटामेथॉसॉन के 3 बैच फेल मिले। रिपोर्ट आई तब तक मेडिवेल बायोटिक की 30 हजार दवा बिक चुकी थी।

लिवोसिट्रोजिन, मोंटेलुकास्ट के 4 बैच सैंपल में फेल निकले। लेकिन रिपोर्ट आने तक थेराविन फार्माल्यूसेशन की 35 हजार दवाएं बिक चुकी थीं।

बिहार में सख्ती से लागू करें आचार संहिता, घोषणाएं और नीतिगत फैसले पर लगा बैन

सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से पोस्टर, बैनर हटाने का आदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आदर्श आचार संहिता को लागू कर दिया है। 6 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को आचार संहिता के सख्त कार्यान्वयन के निर्देश दिए। यह संहिता न केवल राज्य सरकार, बल्कि केंद्र सरकार पर भी लागू होगी, खासकर बिहार से संबंधित नीतिगत फैसलों और घोषणाओं के मामले में।

चुनाव आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से किसी भी तरह के पोस्टर, बैनर को हटाने का आदेश दिया है। साथ ही, सरकारी वाहनों, आवास या संसाधनों का किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या चुनाव से जुड़े व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग रोकने के लिए सख्ती बरतने को कहा है। सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर भी पूर्ण बैन लगाया है। नागरिकों की निजता का सम्मान करने और निजी संपत्तियों

पर बिना मालिक की सहमति के झंडे, बैनर या पोस्टर लगाने पर रोक है। निजी आवासों के बाहर प्रदर्शन या धरना देने की भी मनाही है। शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है। शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है। नागरिक कॉल सेंटर नंबर 1950 या जिला निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा सी-विजिल ऐप के जरिए एमसीसी उल्लंघन की शिकायत की जा सकती है, जिस पर 100 मिनट के अंदर कार्रवाई करने के लिए राज्य में 824 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं।

आयोग ने मंत्रियों को आधिकारिक कर्तव्यों को चुनाव प्रचार से अलग रखने और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग न करने का निर्देश दिया है। चुनाव से जुड़े अधिकारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगा दी है। सभी अधिकारियों को निष्पक्षता के साथ काम करने, सभी दलों के साथ समान व्यवहार और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा है। सार्वजनिक स्थानों, जैसे मैदान और हेलीपैड, का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर निष्पक्ष रूप से करने के लिए सुविधा मॉड्यूल को सक्रिय कर दिया है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी : शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की बढ़ीं मुश्किलें

-विदेश यात्रा पर हाई कोर्ट ने लगाया रोक, 14 अक्टूबर को होगी सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस जोड़े के विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने शिल्पा और उनके पति को धोखाधड़ी के मामले में 60 करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। दरअसल मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। यह आदेश अभी भी लागू है, जिसके चलते शिल्पा और राज कोर्ट या जांच एजेंसी की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं कर पाएंगे। शिल्पा शेट्टी एक कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा

रही थीं, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें देश छोड़ने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री 25 से 29 अक्टूबर तक एक यूट्यूब कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा रही हैं। इस पर कोर्ट ने निमंत्रण कार्ड मांगा। इस दौरान शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कहा कि उन्हें केवल फोन पर बात करके निमंत्रण दिया गया था। जिसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को तुरंत खारिज कर दिया। धोखाधड़ी के इस मामले में दंपत्ति को विदेश यात्रा की अनुमति लेने से पहले 60 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। अदालत ने फैसला सुनाया कि मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। आपको बता दें कि पिछले हफ़्ते बॉम्बे हाईकोर्ट ने शिल्पा और राज के थाईलैंड के फुकेत जाने पर रोक लगा दी थी।

ममता बनर्जी ने गृह मंत्री पर साधा निशाना और बोलीं- एक्टिंग पीएम की तरह काम कर रहे शाह, बन जाएंगे एक दिन मीर जाफर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे देश के 'एक्टिंग प्रधानमंत्री' हों, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सब कुछ जानते हुए भी चुप हैं।

दरअसल सीएम ममता बनर्जी मीडिया से बातचीत कर रहीं थी, इसी दौरान उन्होंने कहा, कि अमित शाह गृह मंत्री हैं, लेकिन हर काम ऐसे करते हैं जैसे वही प्रधानमंत्री हों। प्रधानमंत्री सब कुछ जानते हैं, पर कुछ नहीं बोलते। मेरा पीएम से अनुरोध है कि उन पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, क्योंकि एक दिन वही मीर जाफर की तरह आपके खिलाफ खड़े हो जाएंगे। इसी के साथ मुख्यमंत्री ममता ने आगे कहते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेता बंगाल में मतदाता सूची से एक लाख नाम हटाने की बात कर रहे हैं, जो लोकतंत्र पर हमला है। सीएम ममता बनर्जी ने सवाल करते हुए कहा, उनका नेता बंगाल आता है और कहता है कि हम एक लाख वोटरों के नाम काट देंगे। क्या यह लोकतंत्र है? क्या चुनाव आयोग भाजपा की शाखा है या जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाला आयोग? बंगाल सीएम ने स्पेशल समरी रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश, बाढ़ जैसी स्थिति और त्योहारों के बीच यह प्रक्रिया कराना लोकतंत्र का मजाक है। उन्होंने कहा, त्योहार के वक्त लोगों को घर छोड़कर बूथों पर कतार में लगने के लिए कैसे कहा जा सकता है? यह जनता की मुश्किलों को नजरअंदाज करने जैसा है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इन सभी कदमों के पीछे अमित शाह की सीधी भूमिका है और केंद्र सरकार, चुनाव आयोग तथा भाजपा 'एक ही टीम' बनकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता लोकतंत्र की रक्षा के लिए तैयार है और 'किसी भी तानाशाही रवैये' के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर 12 नवंबर को सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को दी है चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह विवाद मामले को लेकर उद्धव ठाकरे की ओर से दायर याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 12 नवंबर की तारीख तय की है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को पार्टी का नाम 'शिवसेना' और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' आवंटित किया था।

उद्धव ठाकरे का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव जनवरी 2026 में होना है, इसलिए इस मामले पर तत्काल विचार करने की जरूरत है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई अगले महीने तय करने पर सहमति जताई।

कोर्ट ने कहा कि हम 12 नवंबर को सभी पक्षों की सुनवाई करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हम 13 नवंबर को भी सुनवाई जारी रखेंगे। कपिल सिब्बल ने शिवसेना (यूबीटी) गुट की तरफ से दायर एक अन्य याचिका पर भी तत्काल सुनवाई की मांग की। इस याचिका में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें तत्कालीन सीएम एकनाथ शिंदे समेत सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया था।

इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि कपिल सिब्बल को संयुक्त सुनवाई के लिए भारत के सीजेआई की अनुमति लेनी चाहिए, क्योंकि दूसरी याचिका एक अलग बेंच के सामने लंबित है। बुधवार की सुनवाई से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि यह फैसले पर निर्भर करता है कि इस देश को किस ओर लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि यहां लोकतंत्र जिंदा रहना चाहिए और मजबूत होना चाहिए। हम यही अपेक्षा करते हैं कि न्यायालय का फैसला न्यायसंगत होगा और संविधान पर आधारित होगा। वडेट्टीवार ने कहा कि यह जनता को यह दिखाने का सुनहरा अवसर है कि देश संविधान और कानून के शासन से चलता है।

बता दें मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह देने के चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हालांकि वह इस फैसले को चुनौती देने वाली उद्धव ठाकरे की याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गई है। अब सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

10वीं फेल मिस्टर खड़गे, फिर भी भारत के कर्ज पर दे रहे हैं लेक्चर?

-बीजेपी नेता ने कर्नाटक सरकार में मंत्री की शिक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे की शिक्षा पर सवाल उठाए हैं। विष्णु वर्धन ने एक्स पर एक पोस्ट कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे को दसवीं फेल बताया। उन्होंने कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे, लेकिन फिर भी भारत के कर्ज पर लेक्चर दे रहे हैं? दरअसल प्रियांक खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि मोदी सरकार के 'अमृतकाल' में भारत का कर्ज रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। देश का कुल कर्ज अब 181 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह पिछले सात सालों में ढाई गुना से ज्यादा बढ़ा है। वर्धन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का बाहरी कर्ज भी 10.1फीसदी बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह सात सालों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया था कि इसी अवधि में भारतीय बैंकों ने बीते एक दशक में 12.3 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ कर दिया। प्रियांक ने इसी पोस्ट में यह भी कहा कि इसके बावजूद पीएम मोदी ने बिहार में वोट खरीदने के लिए करदाताओं के 7,500 करोड़ रुपए की राशि बांटी। आर्थिक मोर्चे पर देश कर्ज में डूबता जा रहा है, लेकिन सरकार का प्रचार तंत्र करोड़ों रुपए के विज्ञापनों पर खर्च कर जनता को यह भरोसा दिलाने में जुटा है कि 'सब चंगा है'। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियांक खड़गे की इस पोस्ट पर बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने उन पर प्रहार करते हुए कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे अब भारत के कर्ज पर ज्ञान दे रहे हैं? आपके ही मंत्रालय पर 5,588.33 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है, जबकि कर्नाटक के सरकारी विभागों पर कुल 10,342.13 करोड़ का बकाया है।

सीजेआई पर जूता उछालने के बाद सीनाजोरी, बोला- फिर ऐसा ही करुंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर अब चोरी ऊपर से सीनाजोरी पर उतर आए हैं। उन्हे उनकी हरकत के लिए माफ कर दिया गया है लेकिन वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। किशोर ने कहा कि भगवान का आदेश हुआ तो फिर कुछ इसी तरह करुंगा। उन्होंने कहा, परमात्मा ने कहा था, इसलिए किया। मैंने परमात्मा का काम किया। यह मेरा दिव्य कर्तव्य था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है और अगर परमात्मा फिर आदेश देंगे तो वे दोबारा ऐसा करेंगे।

किशोर ने बताया कि खजुराहो के जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति को पुनर्स्थापित करने की याचिका खारिज करते समय सीजेआई गवई की टिप्पणी से वे बेहद आहत हुए और इसी कारण उन्होंने ऐसा कदम उठाया। इस घटना के विरोध में मंगलवार को मयूर विहार स्थित किशोर के रिवरव्यू अपार्टमेंट के बाहर जमकर प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारी जूते की मालाएं, डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें और संविधान की प्रतियां

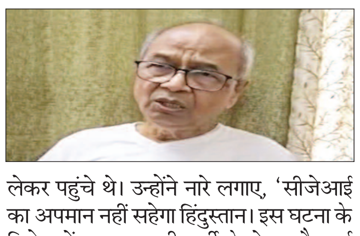

लेकर पहुंचे थे। उन्होंने नारे लगाए, 'सीजेआई का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। इस घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ जूता फेंकने का नहीं है बल्कि संविधान पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सीजेआई के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां और धमकियां फैलाई जा रही हैं, जिन्हें सरकार को हटाना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पुलिस इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, चाहे औपचारिक शिकायत दर्ज हुई हो या नहीं। देशभर में इस घटना की कड़ी निंदा हो रही है। इस घटना के मद्देनजर सोसाइटी के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, राकेश किशोर के पड़ोसियों ने बताया कि उनके खिलाफ पहले भी हिंसक व्यवहार की शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। 70 वर्षीय पुरुषोत्तम ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने हंगामा किया। 2021 में भी उन्होंने एक बुजुर्ग के साथ हाथापाई की थी।

पुलिस को दी गई एक पुरानी शिकायत में निवासियों ने आरोप लगाया था कि किशोर ने करीब एक साल तक उन्हें डराया-धमकाया और सोसाइटी के वॉट्सऐप ग्रुप में जातिवादी और धार्मिक गालियां दीं। एक अन्य निवासी कौशल ने बताया कि किशोर कभी सोसाइटी की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि कुछ घटनाओं के बारे में सुन रखा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में हुई यह घटना बेहद चौंकाने वाली है। सोसाइटी के सुरक्षा गार्डों ने बताया कि किशोर के परिवार ने उन्हें किसी भी विजिटर को घर में न आने देने के निर्देश दिए हैं। परिवार का कहना है कि किशोर की तबीयत ठीक नहीं है और वह मानसिक रूप से भी अस्थिर महसूस कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में हुई बर्फबारी में फंसे 25 लोगों का किया गया रेस्क्यू

-हिमाचल में लैंडस्लाइड तो बिहार में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में भारी बारिश के बाद उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में लगातार बर्फबारी हो रही है, जबकि बिहार में लौटते मानसून की बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। हिमाचल में बर्फबारी के साथ ही भूस्खलन से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना ने बर्फीले तूफान में फंसे बकरवाल समुदाय के 25 आदिवासियों और उनके पालतू जानवरों को रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के चलते पिछले तीन दिनों से बंद वैष्णो देवी यात्रा बुधवार से फिर शुरू हो गई है। यात्रा शुरू होने के बाद सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए रवाना

हुए हैं।

एक अन्य जानकारी अनुसार हिमाचल प्रदेश में तीसरे दिन भी स्नोफॉल जारी है। लाहौल-स्पीति में तापमान -0.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, बिलासपुर जिले में एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई।

उत्तराखंड में बद्रीनाथ, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में भी इस सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। हेमकुंड साहिब में दो से तीन इंच तक बर्फ जमी है। केदारनाथ में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है। चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में रोजाना पांच हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

नदियां उफान पर बाढ़ के हालात

दूसरी ओर, बिहार में लौटते मानसून और नेपाल में भारी बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। राज्य के सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, अररिया और किशनगंज जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सुपौल में 5 हजार से अधिक घरों में पानी भर गया, जबकि मधुबनी जिले में करीब एक लाख लोग प्रभावित हैं। इस बीच, मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने लगी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों तक पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ठंडी हवाओं के चलते तापमान में और गिरावट की संभावना जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में एसआईआर के तहत 3.66 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इन मतदाताओं के विवरण मांगे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग बाहर किए गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी बृहस्पतिवार यानी नौ अक्टूबर तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाये, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी के पास मतदाता सूची का मसौदा है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत किए जा सकते हैं। जस्टिस बागची ने चुनाव आयोग का पक्ष रखने के लिए पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा कि अदालती आदेशों के परिणामस्वरूप चुनावी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और पहुंच बढ़ी है। पीठ ने कहा कि चूंकि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या से ऐसा प्रतीत होता है कि मसौदा सूची की संख्या में वृद्धि की गई है, इसलिए किसी भी भ्रम से बचने के लिए अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान का खुलासा किया जाना चाहिए।

जस्टिस बागची ने कहा कि आप हमसे सहमत होंगे कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि आपके द्वारा प्रकाशित मसौदा सूची में 65 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे और हमने कहा कि जिनकी मृत्यु हो गई या जो स्थानांतरित हो गया है वह ठीक है, लेकिन यदि आप किसी को हटा रहे हैं तो कृपया नियम 21 और एसओपी (मानक परिचालन प्रक्रिया) का पालन करें। उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा कि जिनके भी नाम हटाए गए हैं, कृपया उनके आंकड़े अपने निर्वाचन कार्यालयों में जमा कराएं। अब अंतिम सूची आंकड़ों में वृद्धि प्रतीत होती है और सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भ्रम की स्थिति है - जोड़े गए नामों की पहचान क्या है, क्या वे हटाए गए नाम हैं या नए नाम हैं। द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर नाम नए मतदाताओं के हैं और कुछ पुराने मतदाता भी हैं, जिनके नाम मसौदा सूची प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक किसी ऐसे किसी मतदाता ने शिकायत या अपील नहीं की है जिसका नाम हटाया गया है।

संपादकीय

ट्रॉफी सिर्फ ढांचा नहीं टूर्नामेंट की आत्मा

गत दिनों एशिया कप का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक अवसर था। उपमहाद्वीप में जब-जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं, तो इसे महज एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों के जज्बातों का संगम माना जाता है। ऐसे में उम्मीद थी कि यह फाइनल न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा बल्कि खेलभावना की मिसाल भी पेश करेगा। मगर अफसोस कि मुकाबले के अंत में सबसे ज्यादा चर्चा खेल के नतीजे की नहीं, बल्कि ट्रॉफी वितरण के दौरान उपजे विवाद की रही। यह विवाद न केवल आयोजन समिति की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है, बल्कि खिलाड़ियों और क्रिकेट संस्थाओं की परिपक्वता पर भी। ट्रॉफी किसी भी टूर्नामेंट की आत्मा कही जा सकती है। यह केवल धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उस मेहनत, संघर्ष और टीम भावना का प्रतीक है जिसके लिए खिलाड़ी महीनों तक पसीना बहाते हैं। जब उसी ट्रॉफी को लेकर मंच पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह दृश्य दर्शकों के मन में निराशा और खेल की गरिमा पर प्रश्नचिह्न छोड़ जाता है। एशिया कप जैसे भव्य टूर्नामेंट में यह और भी अस्वीकार्य है। जिस क्षण को उत्सव होना चाहिए था, वह असहमति और अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। भारत-पाकिस्तान संबंधों का बोझ क्रिकेट हमेशा ढोता आया है। लेकिन खेल को हमेशा इन तनावों से ऊपर बताया गया है। यह मंच आपसी कटुता को पीछे छोड़कर सद्भाव और सम्मान का संदेश देने का अवसर देता है। किंतु जब ट्रॉफी वितरण जैसे अवसर पर भी शिष्टाचार और खेलभावना की कमी दिखे तो यह साफ संकेत है कि आयोजकों और खिलाड़ियों दोनों को आत्ममंथन की आवश्यकता है। यह केवल दो टीमों के बीच विवाद नहीं, बल्कि पूरे एशियाई क्रिकेट की छवि पर चोट है। इस घटना ने आयोजन समिति की तैयारी और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की सफलता केवल मैदान पर खेले गए मैचों से नहीं, बल्कि उसके समापन के सुचा आयोजन से भी आंकी जाती है। यदि उस निर्णायक क्षण में भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह पूरे टूर्नामेंट की छवि धूमिल कर देता है। खिलाड़ियों के लिए भी यह क्षण आत्मचिंतन का है। वे केवल अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने आचरण से भी नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। यदि मंच पर असहमति और विवाद दिखे तो इससे दर्शकों में गलत संदेश जाता है। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है, और उसकी गरिमा बनाए रखना हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। ट्रॉफी जीतना निस्संदेह गौरव की बात है, किंतु खेल की मर्यादा बनाए रखना उससे कहीं बड़ा दायित्व है। यदि आयोजन समिति और खिलाड़ी इस घटना से सबक नहीं लेते तो भविष्य में ऐसे विवाद बार-बार क्रिकेट की छवि को आहत करेंगे। खेल को राजनीति और अहंकार से ऊपर रखना ही उसकी असली आत्मा है। स्पष्ट है कि एशिया कप फाइनल में ट्रॉफी का विवाद एक शर्मनाक दृश्य था। इसने खेल के उस उज्ज्वल क्षण को कलंकित कर दिया जिसे आने वाले वर्षों तक यादगार होना चाहिए था। अब यह क्रिकेट संस्थाओं और खिलाड़ियों पर है कि वे इस कलंक को धोकर खेल की गरिमा बहाल करें।

चिंतन-मनन

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है -

बुद्धैय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाचः फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार कर-के उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है। धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

योगी का ऐंटी रोमियो दस्ता महिला शक्ति का मजबूत पहरेदार

कांतिलाल मांडोत

योगी आदित्यनाथ उतरप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के तीन दिनों के भीतर ऐंटी रोमियो दस्ते के नाम से बनी पुलिस की छापामार टीमें सार्वजनिक स्थलों से लपंटो को खदेड़ने में जुटी थी ।जोकि आज दिन ऐंटी रोमियो स्क्वायड नारी शक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है ।प्रदेश में महिलाओ और बेटियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है ।महिलाओ और बेटियों को स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर बनाने के साथ सुरक्षा का माहौल उपलबन्ध कराने के लिए योगी की मिशन शक्ति 5.0 अभियान चलाने की शुरूआत की गई है ।मुख्यमंत्री ने नवरात्र के पहले दिन मिशन शक्ति 5.0की शुरूआत की गई थी ।योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यूपी पुलिस ने पूरे यूपी में अभूतपूर्व अभियान चलाया,जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओ की सुरक्षा व्यवस्था और जनसहभागिता दोनो में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा रही है कि बचपन से लेकर जवानी तक हर लड़की की रखवाली राज्य के अधीन रहती है ।कोई भी सरकार लक्ष्य से हट नही सकती ।उतरप्रदेश में 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सभी 1,500 थानों में गठित नए दस्ते की सनसनी फैला दी थी ।शुरूआत के दौर में योगी की शक्ति से अनभिज्ञ रोड रोमियो पुलिस की कार्यवाही को गौण समझते थे ।लेकिन धीरे धीरे ऐंटी रोमियो पर शिकंजा कसने लगा और सूबे में गुंडागर्दी कम होने लगी ।प्रदेश में उस दौर में सनसनी फैला दी,जैसे ऐसा लगता था कि कबूतरों के बीच बिल्ली को छोड़ दिया गया हो ।ऐंटी रोमियो हवा की तरह आते है ।अभी भी रोड रोमियो स्क्वायड से थर थर कांपते है ।शुरू में करीब दो हजार नौजवानों को धर दबोचा ।योगी ने उन रोमियो को पकड़ा,जिनके बाल लंबे,कुछ स्कूल और कॉलेज के पास पाए गए और कुछ यूं ही भटक रहे थे ।इनको घेर कर सरकार ने अच्छे संकल्प दिलवाया गया ।कुछ मामलों में तो उठक बैठक करवाई गई।

भारत दोराहे पर खड़ा है ।एक तरफ यथास्थितिवादी ग्रामीण समाज और दूसरी तरफ शहरी समाज आधुनिकता, निजी प्रगति और नए तरह के सामाजिक रिश्तों की ओर कदम बढ़ा रहा है ।बढ़ती फैशन और शरीर पर कम होती पोशाकें जीवन की वास्तविकता को कोसो पीछे छोड़कर नए जमाने की दहलीज पर कदम रखने वाले युवक युवतियों को समझ नही आ रहा है कि वे कैसे पेश आए।

देश मे औरतों के लिए सबसे असुरक्षित राज्यो में एक उतरप्रदेश के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द था ।वर्तमान में सूबे के काफी हालात सुधरे है ।महिलाएं,बालिका कही पर आवागमन कर सकती है ।यहां तक रात में भी किसी अकेली महिलायें और बेटियां सुरक्षित है ।उतरप्रदेश में महिलाओ के खिलाफ होने वाले अपराधों में काफी कमी आई है ।2017 का दौर भयंकर रहा है ।2017 पहले महिलाओ और बच्चियों के साथ आए दिन अपहरण, दुष्कर्म और हत्या जैसी घटना सामान्य बात थी ।लेकिन वह भूतकाल की बात है ।अपराध इतना बढ़ गया था कि महिलाएं घरों में भी सुरक्षित नही थी ।औरतों को चार दिवारी के भीतर अपराध का शिकार होना पड़ता था ।यह बीते कल की बात है ।लेकिन आज महिलाओं के साथ नही होता है ।उतरप्रदेश के शक्त शासन के माध्यम से यूपी की कायापलट कर दी है ।दहेज, हत्या,सामुहिक बलात्कार,अगवा और फिरौती,यौन उत्पीड़न जैसी घटनाएं पूर्व सरकार में घटित होती थी ।योगी ने सर्वप्रथम ऐंटी रोमियो को ठीक करने के लिए सिर्फ छेड़छाड़ पर ही फोकस किया गया था,क्योंकि चारदीवारी के भीतर घरेलू हिंसा होती है। लेकिन सार्वजनिक स्थलों पर बेहूदगी तो चलन बन गया था ।सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यूपी पुलिस हर तरह की प्रवृत्ति कर रही है ।सड़को पर रोमांस करने वालो पर चालान किये जा रहे है,जिससे उपरोक्त घटनाएं कम हो रही है ।पुलिस रचनात्मक संदेश और अभियानों का उपयोग कर रही है ।एनसीआरबी के अनुसार यूपी में साम्प्रदायिक हिंसा बिलकुल खत्म हो चुकी है ।यूपी में अपराध एक चौथाई कम है ।राज्य के हालात तेजी से सुधरे है ।जिसमे राज्य सरकार की सख्ती का परिणाम है ।2023 में साम्प्रदायिक की घटना शून्य रही थी ।यूपी में रास्ट्रीय औसत से 25 फीसद कम रही है ।सड़को पर शांति का आलम है ।2017 के बाद यूपी शांति और सद्भाव का गढ़ बन चुका है ।लव जिहाद के लड़ने और सरकार की सख्ती से काफी कम हुआ है ।जबकि यूपी के हर कॉलेज में एंटी रोमियो दस्ता उपलब्ध कराया गया था ।जिससे लड़कियों को सुरक्षा प्रदान करने में सहूलियत रही है।

वहीं फिरौती के लिए अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती (क्ढउ 395) के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे नियर जीरो क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

नवरात्र में शुरू किए गए मिशन शक्ति अभियान में योगी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वायड ने सार्वजनिक स्थलों ,मंदिरों, मॉल और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर सतर्कता बढाई ।इस दौरान 1लाख ,आठ हजार से उपर मंदिरों की गहन जांच करवाई गई ।जिसमें संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी रखी गई।

असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाई की गई ।संदिग्ध व्यक्तियों की गिरफ्तारी की गई ।जिसमें 3,972 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया ।धार्मिक कार्यक्रम शांन्तिपूर्ण ढंग से पूर्ण हुआ ।सड़क पर छेड़छाड़ में देश मे यूपी ही अग्रणी राज्य है यह कहना कोई अतिश्योक्ति नही होगी ।लेकिन देश मे हर राज्य में छेड़छाड़ की घटना बनती ही है ।पुलिस ऐसे मामले शॉटआउट भी करती है ।सड़क पर लडकिया देखकर सिटी बजाना,पुकारना,छेड़ना,यौन उत्पीड़न और गाली गलौज देश मे हर राज्य की समस्या है ।लेकिन यूपी में सबसे ज्यादा था ।क्योकि योगी के पूर्ववर्ती सरकार इस पर कड़क कार्यवाई नही करती थी ।यही बड़ा कारण था ।देश मे हर राज्य सड़क पर होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं को रोकने के अनूठे तरीके ईजाद करने में लगी है जो इतने दमनकारी भी नही है।

विश्व डाक दिवसः समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

रमेश सर्राफ धमोरा

पूरी दुनिया में 9 अक्तूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है।

भारत में डाकघर का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से शुरू होता है जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरूआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है। 1 अक्टूबर 1854 में भारतीय डाक विभाग की स्थापना के साथ ही भारत में पहली बार डाक टिकट भी जारी किया गया था।

विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी।

हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है।

आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द से ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है।

भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी। कुछ वर्ष पूर्व तक डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ौसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालो से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे।

उस वक्त गांवो में बैक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बाते ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दुगुनी होती थी। देश में पहली बार 11 फरवरी 1855 को शुरू हुई तार सेवा को सरकार ने 15 जुलाई 2013 से बन्द कर दिया है। इसके साथ ही डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को भी एक अक्तूबर 2025 से स्पीड पोस्ट में विलय कर दिया है।

भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दशार्ती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दशार्ती है।

डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देश भर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा। जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे।

बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक, पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। दुनियाभर में इस समय 55 से भी ज्यादा विभिन्न प्रकार की पोस्टल ई-सेवाएं उपलब्ध हैं। भविष्य में पोस्टल ई-सेवाओं की संख्या और अधिक बढ़ायी जायेगी। डाक विभाग से 82 फीसदी वैश्विक आबादी को होम डिलीवरी का फायदा मिलता है।

भारत की आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को आम आदमी की जरूरतों को केंद्र में रख कर विकसित करने का नया दौर शुरू हुआ था। नियोजित विकास प्रक्रिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी और बेहतरीन डाक प्रणाली बनाया है। राष्ट्र निर्माण में भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। जिससे इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है। आज भी आम आदमी डाकघरों और डाकिये पर भरोसा करता है। तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में आम जनता का इतना जन विश्वास कोई और संस्था नहीं अर्जित कर सकी है। यह स्थिति कुछ सालों में नहीं बनी है। इसके पीछे डाक विभाग के कार्मिको का बरसों का श्रम और लगातार प्रदान की जा रही सेवा छिपी है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

किसानों के चेहरों पर मोहन ने भावांतर योजना से लौटाई मुस्कान

सोयाबीन मध्यप्रदेश के किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। यहां बाजार मूल्यों की अस्थिरता किसानों के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन सरकार ने किसानों को भावांतर योजना के माध्यम से बड़ी राहत प्रदान की है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और बाजार मूल्य के अंतर की भरपाई करेगी। यह योजना किसानों को बाजार जोखिम से बचाने का एक प्रभावी उपकरण साबित होगी।

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोयाबीन उत्पादकों के लिए इस योजना को पुनः लागू करने की घोषणा की है जो मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी राहत का संकेत है। 2025 में सोयाबीन की कीमतों में गिरावट के बीच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भावंतर योजना की घोषणा करके किसानों के हित में एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस बड़ी घोषणा से राज्य के 50 लाख हेक्टेयर सोयाबीन क्षेत्र और 25 लाख से अधिक छोटे-मझोले किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पहले की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। इसके लिए किसान द्वारा ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है ऐसी स्थिति में भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसत मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक स्थिति में किसान का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है। मोहन सरकार के इस निर्णय से सोयाबीन उत्पादक के किसानों के चेहरे खिले नजर आ रहे हैं। योजना के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य और बाजार भाव के बीच के अंतर की राशि सरकार देगी। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय किया जा सकेगा। राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के अंतर किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मध्यप्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 3 अक्टूबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक किया जा सकेगा। पंजीकृत कृषक और उनके रकबे के सत्यापन की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से पूर्ण होगी। किसानों के भावांतर की राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के भीतर उनके बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान मंडियों में पहले की तरह ही सोयाबीन का विक्रय करेंगे। यदि फसल एमएसपी से कम भाव पर बिकती है तो सरकार अंतर की राशि सीधे किसानों के खातों में जमा करेगी। इसके लिए किसानों को योजना में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। यदि मंडी में सोयाबीन का भाव एमएसपी से कम लेकिन राज्य सरकार के घोषित औसत मॉडल भाव से अधिक है तो एमएसपी और वास्तविक बिक्री मूल्य का अंतर सरकार देगी। यदि मंडी भाव औसत मॉडल भाव से भी कम है तो एमएसपी और मॉडल भाव का अंतर किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टरों को निर्देश देते हुए कहा है कि योजना को पारदर्शी ढंग से लागू किया जाए और किसानों तक पूरी जानकारी पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सरकार ने किसानों की समग्र कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। हाल ही में दशहरा के अवसर पर 8.84 लाख किसानों के खातों में 653.34 करोड़ रुपये की राहत राशि ट्रांसफर की गई जो अतिवृष्टि, बाढ़, कीट व्याधि और सोयाबीन में पीला मोजेक रोग से प्रभावित फसलों के लिए थी। इस बार प्रदेश के 13 जिलों के 4.94 लाख किसानों को पहली बार इस रोग के लिए विशेष सहायता मिली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। किसानों के हित के लिए सरकार के पास राशि की कोई कमी नहीं है। किसान-कल्याण मोहन सरकार की पहली प्राथमिकता है। किसानों के लिए राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया उसी तरह प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ सरकार द्वारा दिलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध नजर आती है।

मध्यप्रदेश की भावांतर योजना किसानों को बाजार की अनिश्चितताओं से बचाने का मोहन सरकार का एक बहुत ही साहसिक प्रयास है। इस योजना के माध्यम से सोयाबीन पर केंद्रित लाखों किसानों को एक तरफ जहाँ बड़ी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी वहीं इससे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए भावांतर योजना के प्रति किसानों में उत्साह देखा जा रहा है। किसानों को अब किसी प्रकार का कोई नुकसान सरकार द्वारा नहीं होने दिया जायेगा। केंद्र सरकार द्वारा सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य रु 5328 प्रति क्विंटल तय किया गया है लेकिन बाजार में कई बार किसानों को इससे कम कीमत पर अपनी फसल बेचनी पड़ रही थी। ऐसे में मोहन सरकार की यह भावांतर योजना सोयाबीन किसानों को निश्चित तौर पर बड़ी राहत देने का काम करेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मिशन शक्ति अभियान के तहत ट्विंकल बनी एक दिन की मुख्य विकास अधिकारी

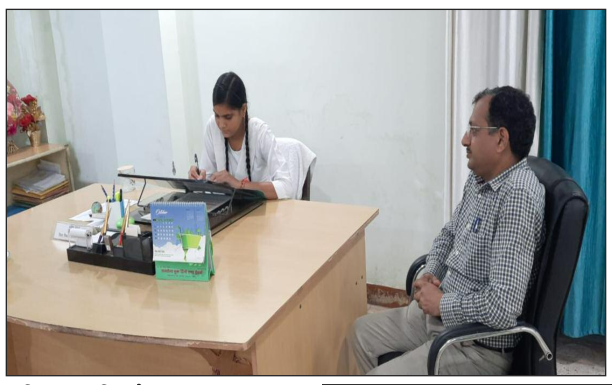
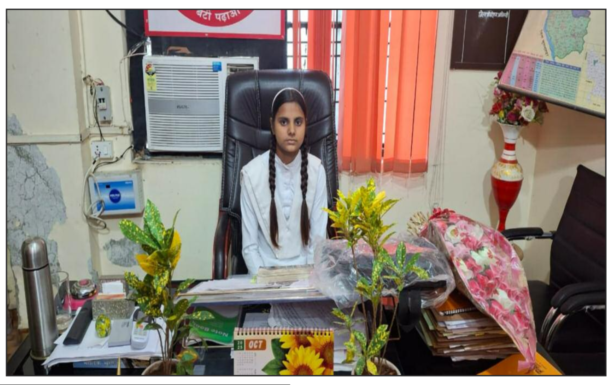

मिशन शक्ति के तहत अलग-अलग छात्राओं को बनाया गया एक दिन के लिए अधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के अंतर्गत जनपद अमरोहा मे सांकेतिक कार्यक्रम के रूप में कस्तूरबा गांधी विद्यालय गजरौला की बारहवीं कक्षा की छात्रा ट्विंकल को मुख्य विकास अधिकारी, छात्रा मनीषा को परियोजना निदेशक, छात्रा स्वाति को एक दिन की जिला पंचायत राज अधिकारी, छात्रा आंचल को जिला विकास अधिकारी, छात्रा पायल को जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं छात्रा आरूषि को पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा छात्रा को बुके देकर सम्मानित किया गय और मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा छात्राओं को बैग वितरण करते हुए अपनी कार्यप्रणाली के बारे अवगत कराया और कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य छात्राओं को सशक्त बनाना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना था। अभी हमारी नई युवा पीढ़ी है, जो स्कूली शिक्षा में अध्ययनरत है उन्हें इसके माध्यम से प्रेरणा मिल सके तथा शासन-प्रशासन के उच्च पदों पर जाने के लिए उनका मनोबल बढ़ सके। उन्होंने कहा कि नारी के सम्मान से ही देश का गौरव बढ़ेगा। लोगों को बताना है कि बेटिया भी बेटों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्हें बिना भेदभाव के शिक्षित कर आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से मिशन शक्ति का संदेश पूरे उत्साह और प्रभाव के साथ दिया गया कि नारी सशक्त होगी तो प्रदेश समृद्ध होगा। इस अवसर पर हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन के कार्मिक कृ0 ललिता रानी जेण्डर विशेषज्ञ, अपूर्वा, लेखाकार, सखी वन स्टॉप सेन्टर की करूणा निधि मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, ममता दुबे सेंटर मैनेजर, मीनाक्षी, प्रधानाचार्य, आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा भारती इंटर कॉलेज रहरा में छात्राओं व महिलाओं को किया गया जागरूक

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश अनुसार बुधवार को थाना रहरा क्षेत्र के शिक्षा भारती इंटर कॉलेज रहरा में मिशन शक्ति फेस 5.0 अभियान के अंतर्गत मिशन शक्ति सुरक्षा दल द्वारा महिलाओं को साईबर क्राइम व विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090,,1076 , 1930,112आदि तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाएं जैसे वृद्धा पेंशन योजना,विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभिउदय योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, साइबर अपराध 1930 एवं पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 आदि से अवगत कराया गया तथा अधिक से अधिक लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया गया।

जब्दी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर/ मेला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड अमरोहा के अंतर्गत ग्राम जब्दी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर/ मेला का आयोजन पशुपालन विभाग द्वारा किया गया। इस शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य अमरोहा राहुल राहुल चौहान द्वारा गौ पूजन एवं फीता काटकर किया गया। इस शिविर में कुल 573 पशुओं का पंजीकरण किया ग,या जिसमें सामान्य चिकित्सा 58, कृमिनाशक दवा पान 242, लघु शल्य चिकित्सा 24, गर्भ परीक्षण 45, कृत्रिम गभार्धान 04, बधियाकरण 19 व बांजपन चिकित्सा 181 का किया गया। डॉ रामवीर सिंह के द्वारा पशुपालन विभाग में चल रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जानकारी दी गई। डॉ शशांक नाथ के द्वारा पशुधन बीमा व खुरपा का मुंह पका के बारे में जानकारी दी गई और डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार के द्वारा पशुओं में थनैला रेबीज वह गला घोटू बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त के द्वारा विभाग में चल रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जानकारी देकर उनसे अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने का आहान किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर शशांक नाथ डॉ रामवीर सिंह डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार, मुकेश, कैलाश पशुधन प्रसार अधिकारी आदि शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने "अमरोहा ट्रेड फेयर" स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने आज से 18 अक्टूबर तक रामलीला मैदान में लगने वाले "अमरोहा ट्रेड फेयर" स्थल का निरीक्षण किया और चल रही तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मेला में लगने वाले स्टाल और फूड कोर्ट सहित अन्य जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों से समय से तैयारी पूर्ण करने, फेयर को भव्य और सफल बनाने के निर्देश दिए। मेला की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीओ सिटी को पुलिस चौकी स्थापित करने के साथ पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। अग्निशमन विभाग को मेला स्थल पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अधीक्षण अभियंता विद्युत को मेला स्थल पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चिकित्सा विभाग को मेला स्थल पर एम्बुलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अधिशासी अधिकारी नगर को मेला स्थल पर साफ-सफाई व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी सदर शैलेश कुमार दुबे, उप निदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश, अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार,सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में 22 सितंबर 2025 को हुई गैस रिसाव की घटना, लापरवाही या आकस्मिक?

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- औद्योगिक नगरी में 22 सितंबर 2025 को हुई गैस रिसाव की घटना को लापरवाही कहें या आकस्मिक इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता ,जबकि बुधवार को कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा इस घटना को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आकस्मिक घटना करार दिया गया है। अब सवाल यह उठता है कि यदि यह घटना आकस्मिक थी तो गैस रिसाव की घटना के समय संबंधित अधिकारी मौके पर नहीं थे या फिर कंपनी में ऐसी घटना होने पर इंडिकेट करने वाले कोई उपकरण ही नहीं है? बता दें कि बुधवार को "बेस्ट क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड" कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी सुबोध कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें उन्होंने 22 सितंबर 2025 को हुई गैस रिसाव की घटना को आकस्मिक घटना बताते हुए कहा कि यह घटना कंपनी के वेयरहाउस में रखे केमिकल से हुई थी। उनका कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कंपनी को बंद करने का आदेश दिया है जिससे कंपनी के लगभग 700 कर्मचारियों की जीविका पर असर पड़ेगा। उन्होंने इस आदेश को शासन प्रशासन से वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि 22 सितंबर को गैस रिसाव कंपनी के वेयरहाउस में रखे केमिकल से हुआ था, घटना के बाद कंपनी की आर एंड डी और क्यूएसटी टीमों ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि घटना के तुरंत बाद पुलिस प्रशासनिक और अग्निशमन विभागों को सूचित कर गैस रिसाव रोकने का प्रयास किया गया था ।सुबोध कुमार ने स्पष्ट किया है कि यह घटना किसी प्लांट या रिएक्टर में नहीं हुई थी।

अब पढ़िए 22 सितंबर की रात गैस रिसाव की घटना

22 सितंबर की रात करीब 10:00 बजे नगर की बेस्ट क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से आकस्मिक या लापरवाही के चलते गैस रिसाव होता है जहरीली गैस रिसाव का धुआं नगर में चारों तरफ फैला गया ,जिससे नगर वासियों को सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, एवं त्वचा में जलन जैसी दिक्कतें होनी शुरू हो जाती गयीं ,कुछ लोगों को तो तत्काल डॉक्टर के यहां पर भर्ती भी होना पड़ा। गैस रिसाव के समय

कंपनी परिसर में भगदड़ भी मच गई थी, कंपनी कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे। कंपनी से गैस रिसाव की सूचना जब नगर वासियों को हुई तो वह भी सड़कों पर उतर आए गैस रिसाव इतना जबरदस्त था कि सड़कों पर सर्दियों जैसा कोहरा सा छा गया था। इसके बाद घटना की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को लगी जिसकी सूचना पर धनोरा एसडीएम अन्य अधिकारियों के साथ फैक्ट्री के गेट पर पहुंची थी ,जिन्होंने वहां पहुंचकर फैक्ट्री का गेट खोलने के लिए काफी देर तक गार्ड को आवाज लगाई थी ,बाबजूद इसके गेटमैन ने काफी देर के बाद एसडीएम के लिए गेट खोला था। लेकिन यहां पर बड़े सवाल यह खड़े होते हैं कि यदि कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी सुबोध कुमार के अनुसार यह घटना आकस्मिक थी तो क्या कंपनी में ऐसी घटनाओं को रोकने का कोई उपाय या उपकरण नहीं है या फिर इन घटनाओं के होने से पहले कंपनी के अधिकारी या इंजीनियर को यह पता चल सके कि हां यहां पर किसी तरह की कोई घटना घटने वाली है या फिर फैक्ट्री के कर्मचारी या अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह घटना उस रात घटित हुई थी। फैक्ट्री अधिकारी सुबोध कुमार का यह भी कहना है कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा फैक्ट्री को बंद करने का आदेश दिया गया है और फैक्ट्री के बंद होने से फैक्ट्री के 700 कर्मियों की जीविका पर इसका असर पड़ेगा। लेकिन किसी ने यहां पर यह भी सोचा है कि यदि उस रात जहरीली गैस रिसाव के कारण क्षेत्र की और आसपास की जनता पर इसका क्या असर पड़ेगा यह एक बड़ा सवाल है? कंपनी में तो केवल 700 कर्मचारियों की बात रही लेकिन क्षेत्र में तो हजारों लाखों की संख्या में लोग निवास करते हैं। उनका क्या होगा?

एडीएम न्यायिक ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं का समाधान करने के लिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुनकर तत्काल निराकरण करने के निर्देश सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को दिये। पूर्व सैनिकों ने ई0सी0एच0एस0 अस्पताल, सी0एस0डी0कैन्टीन, शस्त्र लाईसेंस, पेंशन आदि शिकायतों एवं प्रस्तावो पर अपर जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। अपर जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिये कि पूर्व सैनिकों की समस्या का समाधान समयबद्ध तरीके से शीघ्र कर दिया जाये ताकि उन्हे समस्या का सामना न करना पडे.। भूतपूर्व सैनिको को सुविधाये दिये जाने के अनुरोध पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी कै0 विवेक कुमार, वरिष्ठ सहायक खेमचन्द, भूतपूर्व सूबेदार मेजर देवेश सिरोही, भूतपूर्व सैनिक/कल्याण कार्यकर्ता प्रकाश सिंह, एन0सी0सी0 अधिकारी, सहित अन्य अधिकारी एवं पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

अमरोहा ट्रेड फेयर को सफल बनाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में रामलीला मैदान अपोजिट जे०एस० हिन्दू डिग्री कालेज अमरोहा में जनपद में आज से 18 अक्टूबर तक लगने वाले भव्य अमरोहा के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अमरोहा ट्रेड फेयर में लगे अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्व का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप निदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश, अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार, उपायुक्त उद्योग शैलेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सशक्त नारी, सशक्त समाज अभियान के तहत किशोरियों को किया सशक्त

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कोएलिशन टू एम्पावर गर्ल्स (वढउएॠ) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर "सशक्त नारी, सशक्त समाज" अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कृष्णा सारस्वत वाल इंटर कॉलेज, घनसूरपुर, में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य किशोरियों को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें समान अवसर दिलाना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम का संचालन महेश ग्रामीण सेवा संस्थान के सचिव महेश सिंह ने किया। इस दौरान संवाद सत्र, नेतृत्व विकास कार्यशाला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि हेमराज सिंह (सदस्य, बाल कल्याण समिति) ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, रानी लक्ष्मीबाई योजना, और पॉक्सो अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया। छउ्ट कार्यालय से आए योगेश कुमार ने किशोरियों को बैंकिंग योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। पुलिस विभाग, थाना बछरायू से मानसी, पारूल, व नीतू ने हेल्पलाइन नंबर व महिला सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में मिलान बी द चेंज संस्था की भी सहभागिता रही, जो वंचित समुदाय की किशोरियों के साथ वर्षों से कार्यरत है kइस अवसर पर रूबी, हरिओम शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को सशक्त बनाकर समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था।

जनपदीय एथलेटिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपदीय एथलेटिक क्रीड़ा प्रतियोगिता राजकीय इण्टर कॉलेज अमरोहा के मिनी स्टेडियम में आयोजित होगी। संयोजक विद्यालय जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा होगा। यह जानकारी क्रीड़ा प्रतियोगिता के संयोजक और प्रधानाचार्य डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने दी। डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने बताया कि पहले यह जनपदीय विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज के क्रीड़ा मैदान में होनी थी, लेकिन वहां शासन के निर्देश पर ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है, जिस कारण अब यह क्रीड़ा प्रतियोगिता दिनांक 13, 14 एवं 15 अक्टूबर को राजकीय इण्टर कॉलेज के मिनी स्टेडियम में आयोजित होगी। आज से ही मैदान पर ट्रैक बनाने का काम शुरू हो गया है। बारिश की वजह से ट्रैक पर पानी भर गया था, जिसे दुरुस्त कराया जा रहा है। मैदान पर खेल संयोजक डॉ0 जी0 पी0 सिंह के साथ क्रीड़ा सचिव विजय सिंह और क्रीड़ा प्रभारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में खेल विशेषज्ञों के साथ ट्रैक प्वाइंट की नाप तोल की और चूने से चिन्हीकरण कर काम प्रारंभ कर दिया है। संकुल स्तर पर विजयी छात्र छात्राओं को जनपद स्तर पर प्रतिभाग कराया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा यह भी स्पष्ट रूप से अवगत करा दिया गया है कि कोई भी संकुल प्रभारी बिना पात्रता प्रपत्रों के खिलाड़ियों को प्रतिभाग नहीं कराएंगे, इसको गंभीरता से लेकर, अभी से सभी की पात्रता पूर्ण कर लें। यहां यह भी अवगत कराना है कि 15 अक्टूबर को जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का समापन है और दिनांक 16 अक्टूबर से मंडलीय प्रतियोगिता का शुभारंभ है जो सम्भल जनपद के चंदौसी शहर में होगी। अतः बिना पात्रता के खिलाड़ियों को प्रतिभाग कराना संभव नहीं होगा। इस अवसर पर मैदान में क्रीड़ा सचिव विजय सिंह, क्रीड़ा प्रभारी स0 सुरेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह, अनिल कुमार, शिव कुमार, डॉ0 संजीव कुमार, शाह आलम, साहजेब तकी, देवेंद्र सिंह, मुनेंद्र सिंह, मनीष त्यागी, विकास गंगवार, उवेश जाहिर, योगेश कुमार, दीपक कुमार आदि खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

आरडीएच फाउंडेशन कर रहा गरीब परिवारों की मदद

हर दिन गांव गांव जाकर गरीब परिवारों में जरूरत के अनुसार सामान वितरित

हापुड (सब का सपना):- आरडीएच फाउंडेशन परिवार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक गरीबी मिटाने का निर्णय लिया गया है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीब परिवारों के लिए आवश्यकता अनुसार सामान वितरित किया जाता है। जिसमें वाशिंग मशीन, फ्रिज, कूलर, एसी, सिलाई मशीन, घर का राशन, शिक्षा सामग्री, कपड़े, नगद राशि भी आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों में दी जाती है। इतना ही नहीं आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीबी मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आरडीएच फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष हरि प्रकाश गुप्ता को न्यू स्कूटी व उप राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित कुमार को न्यू वैगनआर गिफ्ट की। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह उपराष्ट्रपति अध्यक्ष रोहित राजपूत राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह, राष्ट्रीय सचिव मोहित चौहान,राष्ट्रीय निर्देशक बरन सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक मांगे सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक अशोक सिंह ,राष्ट्रीय निर्देशक कैलाश , दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, दिल्ली सलाहकार कुलदीप सिंह , दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जौली चौहान, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उतर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित सिंह, पश्चिम उप उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हीर प्रकाश गुप्ता मेरठ महिला अध्यक्ष अनीता केवट, मेरठ जिला अध्यक्ष सविता प्रजापति, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह, उत्तर प्रदेश महिला अध्यक्ष रीना राजपूत अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह उप अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष मनीष राजपूत ग्राम अध्यक्ष छोटी अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष सायपुर सरिता देवी, हापुड़ महिला अध्यक्ष बिजेंद्री देवी बागपत जिला अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, गजरौला अध्यक्ष विकास चौहान, हसनपुर अध्यक्ष नरेश सिंह, समलल अध्यक्ष दिनेश सिंह,उप हापुड़ जिला अध्यक्ष हरि शरण प्रजापति, मध्य प्रदेश अध्यक्ष निशु चौहान, गोरखपुर मंडल अध्यक्ष बृजलाल कीर्ति माला , उप मध्य प्रदेश मुकेश वर्मा, गाजियाबाद जिला अध्यक्ष प्रेम चंद सिंह, बुलन्दशहर महिला जिला अध्यक्ष हेमलता,उप बुलन्दशहर महिला अध्यक्ष अध्यक्ष पूनम चौहान, बागपत उपजिला अध्यक्ष रिंकी शर्मा, बागपत जिला अध्यक्ष राजीव शर्मा, ब्रजघाट अध्यक्ष नरेश कुमार, ग्राम सिलपुर अध्यक्ष प्रीती चौहान, तालिश अध्यक्ष अमित चौहान, लोनी ताशील अध्यक्ष अनिल कुमार, बाबूगढ़ महिला अध्यक्ष गुड़िया सिंह, बाबूगढ़ अध्यक्ष हरीश कुमार , मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष जाकिर खान, मुरादाबाद जिला अध्यक्ष संदीप चौहान अमरोहा जिला अध्यक्ष आकाश चौहान रामपुर जिला अध्यक्ष आलोक चौहान महाराष्ट्र महिला अध्यक्ष पूजा चौहान गुलाबटी अध्यक्ष फरीन, गीता सैनी मौजूद रहे।

साक्षी सेवा समिति के तत्वाधान में ज्योतिष शास्त्र पर विचार गोष्ठी का किया आयोजन

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- साक्षी सेवा समिति चंदौसी जिला संभल उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में दिनांक ज्योतिष शास्त्र पर विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला संभल की सुप्रसिद्ध वैदिक ज्योतिष एवं हस्त विशेषक मोनिका मिश्रा, सचिव बबिता बिंदल, कोषाध्यक्ष विजयलक्ष्मी यादव द्वारा किया गया। तत्पश्चात मोनिका मिश्रा द्वारा ज्योतिष शास्त्र से संबंधित विषयों पर जानकारी दी गई।साथ ही साक्षी चंदौसी स्टार सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हुए बताया कि धर्म,ज्योतिष शास्त्र आस्था का विषय है हमेशा अच्छे सेवा कार्य करने चाहिए तभी भाग्य ओर इश्वर आपकी सहायता करते है। साक्षी सेवा समिति की प्रदेश अध्यक्ष रंजना शर्मा ने महिला ज्योतिषाचार्य मोनिका मिश्रा को उपहार ओर स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। साथ ही स्टार सदस्यों द्वारा एड साफिया कदीर, एड शिप्रा शर्मा, एड आशा वार्ष्णेय, पूनम दुबे, हर्षिता आहूजा उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष सुधा शर्मा, बबिता बिंदल, विजयलक्ष्मी यादव, रानी शर्मा, मीरा दुबे, दमयंती सिंह, सुनीता शर्मा, वर्षा सिंधी, विमलेश शर्मा आदि सदस्यों की उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता दमयंती सिंह ओर संचालन बबिता बिंदल ने किया।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत एक प्रेरणादायक पहल

रघुवीर सिंह, किसान इंटर कॉलेज कक्षा 12वीं की छात्रा नैन्सी सिंह, को एक दिन का बनाया गया जिलाधिकारी

एक दिन की बनी जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर के सभी पटलों का किया गया निरीक्षण

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत एक दिन की बनी जिलाधिकारी को कप देकर छात्रा का स्वागत किया और उन्हें कलेक्ट्रेट की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इस दौरान वास्तविक जिलाधिकारी ने नैन्सी सिंह, को बताया कि प्रशासन किस प्रकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने, महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने और जनता की समस्याओं के समाधान में कार्य करती है। छात्रा को वीमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, तथा साइबर अपराधों से संबंधित शिकायत प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इसके अलावा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया ताकि वे समाज में जागरूकता फैला सकें। वास्तविक जिलाधिकारी द्वारा नैंसी सिंह, से जनसुवाई कराई गई। इसके उपरांत कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का निरीक्षण भी कराते हुए जानकारी उपलब्ध कराई गई। एक दिन की जिलाधिकारी बनी नैन्सी सिंह, ने कहा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद प्रेरणादायक रहा और उन्होंने महसूस किया कि महिलाएं समाज की हर जिम्मेदारी बखूबी निभा सकती हैं। यह पहल नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में एक सशक्त संदेश दे रही हैं।

जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में वायु सेना दिवस पर पूर्व वायु सैनिको किया गया को समानित

हापुड़ (सब का सपना):- बुधवार को जिला सैनिक बंधु की मीटिंग जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सभा का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ले० कर्नल विवेक सिंह, ने किया। बुधवार को हुई बैठक में वायु सेना दिवस के मौके पर जिलाधिकारी द्वारा वायु सेना दिवस की मुबारकबाद दी गयी तथा पूर्व वयोवृद्ध वायु सैनिकों का शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया एवं पूर्व में दिनांकः- 13.08.2025 को आयेजित जिला सैनिक बंधु की बैठक में भूतपूर्व सैनिकों द्वारा, जो समस्याए उठायी गयी थी, उनके सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों से आख्या प्राप्त होने के उपरान्त उनका निराकरण किया गया। सभा के समापन पर जिला सैनिका कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा धन्यवाद देते हुऐ जिलाधिकारी व पूर्व सैनिको का आभार व्यक्त किया गया। सभा में मुख्य रूप से हिमांशु गौतम, मुख्य विकास अधिकारी हापुड़, रेनू सिंह, डिप्टी कलेक्टर, हापुड़, वारंट आफिसर मनबीर सिंह, कैप्टन राजेश, कैप्टन महीपाल सिंह, वेटरन इरकान अली, हवलदार शाहिद, हवलदार वेटरन के०पी० सिंह, सूबेदार रतनपाल, सूबेदार चन्द्रवीर, सूबेदार जगदीश चौहान, कैप्टन महेश, सूबेदार मेजर, महेन्द्र सिंह, आदि उपस्थित रहें।

सेवरही शोध संस्थान से 12 जिलों को 11629 कुंतल गन्ना बीज आबंटित

संवाददाता

कुशीनगर। गेदा सिंह गन्ना प्रजनन एवं अनुसंधान संस्थान सेवरही कुशीनगर से पूर्वांचल के 12 जिलों को 11629 कुंतल गन्ना बीज, गन्ना आयुक्त कार्यालय लखनऊ से आवांटन किया गया है । यह जानकारी उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराईच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओमप्रकाश गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि शीघ्र पकने वाले 5 प्रजातियां को०शा 17231 को० शा 13235 को० लख 14201 को 0118 यूपी 5125, का 8749 कुंतल तथा मध्य देर से पकाने वाली तीन गन्ना प्रजातियां को०शा 9232 को० शा 10239 को० से 8452 का 2880 कुंतल कुल 8 प्रजातियों का 11629 कुंतल, अपर गन्ना आयुक्त शोध एवं समन्वय द्वारा आवंटन किया गया है, पूर्व सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने सेवरही गन्ना शोध के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० केपी सिंह के साथ प्रजातियों को देखा, संयुक्त निदेशक डॉक्टर सुभाष सिंह ने बताया कि गन्ना विकास विभाग द्वारा आवंटन के आधार पर ही कृषकों को गन्ना बीज दिया जाएगा। उप गन्ना आयुक्त देवरिया एपी सिंह के अनुसार आवंटित गन्ना बीज उठाने के लिए संबंधित जिला गन्ना अधिकारी व गन्ना विकास निरीक्षकों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिया गया है। श्री गुप्ता ने बताया कि कुशीनगर जिलों का 1830 कुंतल, देवरिया 334 कुंतल मऊ 260 बलिया 100 आजमगढ़ को 680, गोरखपुर को 1320 बस्ती को 1420, महाराजगंज 1530 सिद्धार्थ नगर 150 गोंडा -1435, बलरामपुर 1185 बहराईच 1385 कुंतल आवंटन हुआ है। डीसीओ कुशीनगर ने कृषकों से अपील किया कि इच्छुक कृषक अपने क्षेत्र के गन्ना पर्यवेक्षक से मिलकर गन्ना बीज लेकर बुवाई करें। इस पर अनुदान भी देगा गन्ना विकास विभाग। श्री गुप्ता ने बताया कि किसान अपने खेत के अनुसार प्रजातियों का चयन करें। शरद काल में गन्ना बोने से बसंत काल की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत अधिक उपज प्राप्त होगा।

काशी विद्यापीठ दीक्षांत समारोह में अनिकेत को मिला अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक

संवाददाता

सोनभद्र। बुधवार दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को सिगरा, वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशनल सेंटर में आयोजित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में सोनभद्र के रहने वाले एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के छात्र अनिकेत श्रीवास्तव को अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक से नवाजा गया। सोनभद्र स्थित विश्वविद्यालय के एनटीपीसी परिसर के छात्र अनिकेत ने परीक्षा में 7.900 सीजीपीए के साथ सफलता अर्जित की है। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, पद्मश्री सरोज चूड़ामणि, उच्च शिक्षा कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय व उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के हाथों स्वर्ण पदक दिया गया। यूपी के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पत्रकारिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक दिया जाता है। इसी क्रम में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में इस बार एनटीपीसी में पढ़ने वाले विद्यार्थी अनिकेत श्रीवास्तव को यह पदक दिया गया। मूल रूप से सोनभद्र में डाला नगर पंचायत के रहने वाले अनिकेत के पिता संजय श्रीवास्तव व्यवसायी और माता अलका श्रीवास्तव गृहिणी हैं। अनिकेत इससे पहले महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर से ही एम कॉम की पढ़ाई भी पूरी कर चुके हैं। बातचीत के दौरान अनिकेत ने कहा कि मेरी सफलता के पीछे महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी के पत्रकारिता विभाग के डॉक्टर छोटेलाल प्रसाद एवं अन्य शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है सभी ने हमको हर स्तर पर सहयोग किया और प्रोत्साहित किया जिसके चलते मैं आज यह मुकाम हासिल किया।एनटीपीसी परिसर में संसाधनों की कमी है इसके बावजूद वहां के शिक्षक अथक प्रयास करते हैं छात्रों के हित में और यह जो आज मुकाम मुझे मिला है इसके पहले भी कई छात्रों को मिल चुका है और हम आशा करते हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन एनटीपीसी परिसर के विकास पर ध्यान दें ताकि वहां के छात्र-छात्राओं को लाभ मिल सके इस तरह की प्रतिभा का सम्मान हो सके और आगे आने वाले छात्रों को प्रोत्साहन मिल सके। धन्यवाद।।

पुलिस ने चोरी के वांछित अभियुक्त को चोरी के माल सहित किया गिरफ्तार

चड़ौसी/संभल(सब का सपना):- थाना चंदौसी पुलिस ने एक चोरी के मामले में वांछित अभियुक्त अर्जुन पुत्र रामसिंह, निवासी चकरपुर कदीम, थाना शाहबाद, जनपद रामपुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अभियुक्त को बुधवार, 8 अक्टूबर को गुमथल रोड पर पुल के नीचे से धर दबोचा गया। यह कार्रवाई किशनवीर पुत्र लेखराज प्रजापति, निवासी ग्राम वैशाली नगर फेज-2, थाना चंदौसी, जनपद संभल की लिखित शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें उन्होंने अपने घर से नकदी और जेवरात चोरी होने की सूचना दी थी। इस संबंध में थाना चंदौसी में मुकदमा दर्ज किया गया था, और मामले की जांच थाना कुढ़फतेहगढ़, जनपद संभल के सहयोग से की जा रही थी। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान अभियुक्त अर्जुन ने पुलिस को बताया कि वह और उसके साथी दिन के समय इलाके में घूमकर खाली पड़े घरों को चिह्नित करते हैं। इसके बाद, रात के समय या मौका मिलने पर इन घरों में सेंधमारी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं। चोरी किया गया माल वह राहगीरों को सस्ते दामों पर बेच देता है और उससे प्राप्त धन को अपनी मौज-मस्ती और व्यक्तिगत खर्चों में उड़ा देता है। उसने यह भी स्वीकार किया कि इस तरह की वारदातों को वह सुनियोजित तरीके से अंजाम देता है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी का माल बरामद किया, जिसमें शामिल हैं,एक पायल (पीली धातु) एक गले की कंठी (पीली धातु)एक अंगूठी (पीली धातु) एक वेल्डिंग मशीन, लीड और होल्डर सहित 5000 रुपये नकद,थाना चंदौसी और थाना कुढ़फतेहगढ़ की संयुक्त टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अभियुक्त का इस तरह की अन्य चोरी की वारदातों में कितना और कहां-कहां हाथ रहा है। यह गिरफ्तारी स्थानीय लोगों के लिए राहत की बात है, क्योंकि इस तरह की चोरियां क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल पैदा कर रही थीं।

ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए किया गया जागरूक

सम्भल(सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सम्भल के निदेर्शानुसार मलेरिया विभाग ने ब्लॉक रजपुरा के ग्राम पहलवारा में मलेरिया रोगी के घर और आसपास के क्षेत्रों में मलेरिया नियंत्रण के लिए व्यापक कार्यवाही की। इस अभियान के तहत सोर्स रिडक्शन, लावीर्साइडल स्प्रे, और स्पेस स्प्रे जैसे कदम उठाए गए, साथ ही ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया गया।कार्यवाही के दौरान ग्रामीणों को सोर्स रिडक्शन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें सूचित किया गया कि मच्छर स्थिर और साफ पानी में अंडे देते हैं, जैसे कि कूलर, फ्रिज की ट्रे, गमले, टायर, बोतल में लगे पौधे, और पानी की टंकी। ग्रामीणों को सलाह दी गई कि वे सप्ताह में एक बार इन स्थानों की जांच करें और पानी को बदलें ताकि मच्छरों का लार्वा न पनपे। यह भी बताया गया कि लार्वा नष्ट होने से मच्छरों का प्रजनन रुकता है, जिससे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों पर नियंत्रण संभव है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीणों को आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और मलेरिया से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से पैम्फलेट वितरित कर मलेरिया से बचाव के लिए क्या करें और क्या न करें, इसकी जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सम्भल ने इस अभियान को मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सक्रिय सहयोग से इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। यह अभियान न केवल ग्राम पहलवारा में, बल्कि सम्भल जिले के अन्य क्षेत्रों में भी मलेरिया नियंत्रण के लिए प्रेरणा बन सकता है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अपने स्तर पर स्वच्छता बनाए रखें और मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए सक्रिय रहें।

सालभर गुलजार रहेगा सूरजकुंड, आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी उत्पादों को दिया जाएगा बढ़ावा

फरीदाबाद। दो अक्टूबर से शुरू हुए दीवाली मेले का मंगलवार शाम समापन किया गया। रंग-बिरंगी सजी चौपाल पर आयोजित समापन समारोह में केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के पर्यटन मंत्री डा.अरविंद शर्मा ने की। चौपाल पर पहुंचने से पहले मुख्य अतिथि ने मेला परिसर का जायजा लिया। उन्होंने शिल्पियों, बुनकरों और स्टाल संचालकों से कारोबार के बारे में बातचीत की। मुख्य अतिथि मनोहर लाल ने संवाद करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में मेले की अवधि बढ़ाई जाएगी, ताकि कारोबार में वृद्धि हो। समापन समारोह में मंच से मुख्य अतिथि मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस बार के दीवाली मेले में पिछली बार की अपेक्षा कारोबार बढ़ा है। अधिकारियों ने जो जानकारी दी है, उसके अनुसार लगभग पांच करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। मनोहर लाल ने दीवाली मेले को स्वदेशी मेले की संज्ञा दी।

आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि यह स्वदेशी मेला केवल सामान बेचने का माध्यम नहीं है, बल्कि प्रदेश के साथ-साथ देश की समृद्ध संस्कृति, खानपान और परिधान देखने का मिलते हैं। सूरजकुंड वर्ष भर गुलजार रहे और यहां नियमित रूप से गतिविधियां चलती रहें इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह को सुझाव दिया जाएगा। मुख्य अतिथि जब मेला परिसर में दौरा कर रहे थे तो इसी दौरान बूंदाबांदी शुरू हो गई थी। चौपाल पर जब समापन समारोह चल रहा था तो वर्षा होने लगी। चौपाल पर जब मुख्य अतिथि आए तो उन्होंने सबसे पहले भारत माता की जय, महर्षि वाल्मीकि की जय और इंद्र देवता की जय से अपने भाषण की शुरूआत की। पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसे मेलों के आयोजन को बढ़ावा दिया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को अपनाने पर हर नागरिक को ध्यान देने की जरूरत है। चौपाल पर स्वदेशी पर आधारित प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। संजय शर्मा की कोरियोग्राफी में कलाकारों ने दुनिया के कोने-कोने में पहुंचा दो यह संदेश मेरा, स्वदेशी अपना कर बनेगा आत्मनिर्भर देश मेरा गीत पर उम्दा प्रस्तुति दी। समापन समारोह में पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा, बड़खल से विधायक धनेश अदलखा, एनआइटी से सतीश फागना, होडल से विधायक हरेंद्र रामरतन, प्रदेश के अन्य जिलों से आए विधायकों में कंवर सिंह यादव, बिमला चौधरी, रणधीर पनिहार, महापौर प्रवीण बत्रा जोशी, पूर्व विधायक नरेंद्र गुप्ता उपस्थित थे। हरियाणा पर्यटन की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन,

प्रबंध निदेशक डा.शालीन ने अतिथियों का स्वागत किया। समापन समारोह में पुलिस आयुक्त सत्येंद्र गुप्ता, डीसी विक्रम सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

फ्री बसें चलतीं चलती तो और आते पर्यटक

मुख्य अतिथि मनोहर लाल ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि जिस तरह से फरवरी में लगने वाले सूरजकुंड मेले में विभिन्न क्षेत्रों में बसों की व्यवस्था की जाती है। अगर इस दीवाली मेले के लिए भी जगह-जगह फ्री बसों की व्ह सुविधा ती तो यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या अधिक होती।

करनाल में दर्दनाक हादसा: पश्चिमी यमुना नहर में पैर फिसलने के कारण डूबे 2 दोस्त

करनाल: करनाल के गोगड़ीपुर गांव के पास देर शाम दर्दनाक हादसा हो गया।आनंद विहार कालोनी के रहने वाले दो दोस्त पश्चिमी यमुना नहर में पैर फिसलने के कारण डूब गए।घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंच गई लेकिन अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन नहीं चलाया गया । घटना की जानकारी देते हुए मधुबन थाना प्रभारी गौरव पूनिया ने बताया, कि उन्हें कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि दो बच्चे नहर में डूब गए हैं।जांच अधिकारी ने बताया तीसरे बच्चे ने हमे जानकारी देते हुए बताया नहर किनारे से उनका पैर फिसल गया और तेज बहाव में वह बह गए। दोनो बच्चे आनंद विहार के रहने वाले हैं। दोनो बच्चे नौवीं में पढ़ते थे। उन्होंने बताया निजी गोताखोरों से सर्च ऑपरेशन चलाया है लेकिन कामयाबी नहीं मिली पहले कहा जा रहा था कि सेल्फी लेते हुए बच्चे पानी में गिरे लेकिन परिवार ने सेल्फी वाली बात से साफ इनकार किया है और कहा कि बच्चों में से एक पहले नहर में गिरा था, जबकि दूसरे ने उसे बचाने के लिए छलांग लगाई। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना मिलते ही परिजन, ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गए। गोताखोर कर्ण और उनकी टीम को भी तुरंत बुलाया. उन्होंने नहर में सर्च ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन कुछ ही देर में अंधेरा बढ़ने और पानी का बहाव तेज होने के कारण तलाश रोकनी पड़ी।

55 लाख की डकैती कांड में बड़ा खुलासा

पलवल : पलवल जिले के चर्चित धौलागढ़ 55 लाख के डकैती कांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने पीड़ित के रिश्तेदार सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कप्तान वरुण सिंगला ने प्रेस वार्ता कर बताया कि उक्अ टीम ने महज कुछ ही घंटों में आरोपियों को पकड़ लिया और उनके कब्जे से 22 लाख रुपये नकद, 30 तोले सोने के आभूषण, एक स्कूटी और बाइक बरामद की है। चारों आरोपी पीड़ित विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सेवा प्रमुख ओमप्रकाश शर्मा के के ही गांव और पड़ोस के रहने वाले हैं। एसपी सिंगला के अनुसार, घटना 5-6 अक्टूबर की रात करीब 1 से 2 बजे के बीच की है, जब आरोपियों ने ओमप्रकाश शर्मा के घर में घुसकर परिवार को टॉय गन दिखाकर कुर्सियों से बांध दिया और मुंह पर टेप लगाकर बंधक बना लिया। आरोपी लगभग आधे घंटे तक घर में रहे और लाखों की नकदी व ज्वेलरी लेकर फरार हो गए। बाद में उन्होंने चोरी का माल हथीन के फिरोजपुर गांव में खेतों पर बने एक कोठरे में छिपा दिया और वारदात के बाद पीड़ित परिवार के साथ सहानुभूति जताकर गांव में ही रहने लगे।

ओमप्रकाश का रिश्तेदार है मास्टरमाइंड

पुलिस टीम को उनके व्यवहार पर शक हुआ, पूछताछ में आरोपियों ने अपराध कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार मास्टरमाइंड नवीन है जो कि पीड़ित ओमप्रकाश शर्मा का रिश्तेदार है। उसी ने अपने 3 साथियों धर्मेंद्र उर्फ मोनू, रविंद्र उर्फ रवि और सचिन के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई थी। जांच में पता चला कि यह उनका पहला अपराध था, जिसे उन्होंने अपने शौक पूरे करने के लिए अंजाम दिया।

मालगाड़ी के आगे कूदकर शख्स ने किया सुसाइड

सोनीपत : बुधवार दोपहर एटलस रोड के पास एक व्यक्ति ने पानीपत से दिल्ली की ओर जा रही मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही जीआरपी (गवर्नमेंट रेलवे पुलिस) मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में भेज दिया। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट और एक बुलेट बाइक बरामद हुई है। जीआरपी थाना प्रभारी विजयपाल ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 1:21 बजे डाउन लाइन पर हुआ। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष थी और वह सोनीपत के सेक्टर-12 का निवासी बताया जा रहा है। सुसाइड नोट में रुपये के लेन-देन का जिक्र है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के लिए परिजनों से संपर्क कर रही है, जो चंडीगढ़ से सोनीपत पहुंचेंगे। थाना प्रभारी ने कहा कि शिनाख्त पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यता का प्रतीक श्रीरामशरणम्र: उद्घाटन दिवस पर श्रद्धा और स्मृति का संगम

पानीपत: श्रीरामशरणम्र" वह दिव्य स्थल, जो अनगिनत श्रद्धालुओं के लिए आत्मिक शान्ति और राम नाम के प्रचार का केन्द्र बन चुका है। इस वर्ष अपने उद्घाटन दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम 11 अक्टूबर को प्रातः 9:30 बजे से 10:45 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें संत-वाणी, भजन, कीर्तन एवं आध्यात्मिक संदेशों की वर्षा होगी।

संतों की दिव्य धरोहर: श्रीरामशरणम्रका आरंभ

"श्रीरामशरणम्" की स्थापना का बीज सन्त शिरोमणि स्वामी सत्यानन्द जी महाराज के हृदय में उस समय अंकुरित हुआ जब उनके सम्पर्क में माँ शकुन्तला देवी जी जैसी तपस्विनी शिष्या आईं। यह दिव्य धरोहर एक पवित्र हाथों में सौंपने योग्य थी, और माँ के माध्यम से इस मिशन का स्वरूप स्थिर हुआ। 9 अक्तूबर 1960 की करवाचौथ के अगले दिन, जब हजारों श्रद्धालु हर्ष और श्रद्धा से भर उठे, उस दिन महाराज जी ने उद्घाटन करते हुए कहा, "मैं तो अपनी जीवन-यात्रा समाप्त कर चुका था, पर कोई काम राम ने लेने होंगे, इस के लिए उस ने इस देह-दिये में अपनी शक्ति का तेल डाला है।" यह वाक्य उद्घाटन के एक महीने पश्चात सत्य सिद्ध हुआ, जब 13 नवम्बर 1960 को महाराज जी ने देह त्याग दी।

माँ शकुन्तला देवी और माँ दर्शी जी: दो दिव्य व्यक्तित्वों की साधना का फल

माँ शकुन्तला देवी जी ने स्वामी सत्यानन्द जी द्वारा प्रज्वलित राम-नाम की लौ को एक विराट मशाल का रूप दिया। उनकी तपस्या और सेवा भावना के परिणामस्वरूप "श्रीरामशरणम्" पानीपत ही नहीं, अनेक नगरों में फैल गया। आज इसकी शाखाएं जालंधर, अमृतसर, जम्मू, चंडीगढ़, दिल्ली, देहरादून, गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित अन्य शहरों में स्थापित हैं, और सहारनपुर में निमार्णाधीन है। माँ दर्शी जी के रूप में संगठन को एक और दिव्य नेतृत्व मिला, जिन्होंने न केवल इस स्थान की गरिमा और आध्यात्मिकता को बनाए रखा, बल्कि अपने तप और दृष्टिकोण से इसे और भी अधिक प्रभावशाली बना दिया।

साल भर चलने वाले आध्यात्मिक कार्यक्रम

श्रीरामशरणम् में रामनवमी, जन्माष्टमी, होली जैसे प्रमुख पर्वों पर विशेष कार्यक्रम होते हैं। रामनवमी से पूर्व 2 माह तक रामायण पाठ होता है। जन्माष्टमी से पूर्व 18 दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ आयोजित होता है, जिसमें माँ दर्शी जी द्वारा श्रीकृष्ण के उपदेश साकार रूप में सुनाए जाते हैं।

उद्घाटन दिवस पर विशेष प्रार्थना

इस पावन अवसर पर श्रद्धालु "श्रीरामशरणम्र" की भूमि को नमन करते हुए अपने हृदयों में यह प्रार्थना करते हैं कि परम पूज्या माँ दर्शी जी अपने ज्ञान, ऊर्जा और करुणा से इसी प्रकार लाखों लोगों का कल्याण करती रहें।

अंबाला बस अड्डे पर होने जा रहा बड़ा बदलाव, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर उठाया जा रहा ये कदम

अंबाला : अंबाला छावनी बस अड्डे पर यात्रियों की सुरक्षा पहले से ओर भी पुख्ता होगी। इसके लिए रोडवेज की ओर से बस अड्डा परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा पहले से भी अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन अत्याधुनिक कैमरों के लगने से परिसर में चोरी व छीना झपटी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा, वहीं यात्री अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे। अंबाला छावनी बस अड्डे पर पहले दस के करीब सीसीटीवी कैमरे लगे हुए थे, लेकिन अब परिसर में करीब 30 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं। अभी तक परिसर में 16 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं जो बस अड्डे के साथ-साथ यात्रियों की भी सुरक्षा कर रहे हैं। इसके साथ ही संस्थान प्रबंधक के कार्यालय में इन कैमरों की निगरानी के लिए एक बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी ताकि अगर कोई घटना होती है तो आरोपी की जल्द पहचान की जा सके। अंबाला छावनी का बस अड्डा पंजाब हिमाचल, उत्तराखंड, यूपी, दिल्ली व राजस्थान को आपस में जोड़ने वाला प्रमुख केंद्र हैं। यहां से रोजाना 12 से 15 हजार यात्रियों का आवागमन होता है। इसके अलावा इस बस अड्डे से रोजाना 1500 के करीब बसों का आवागमन होता है। जोकि नजदीक क्षेत्रों सहित दूर-दराज के क्षेत्रों तक जाती हैं, हालांकि दिन के समय बस अड्डे पर काफी चहल-पहल रहती है, लेकिन रात के समय कुछ ही बसों के आगमन से यात्रियों की संख्या भी न के बराबर होती है।

विरासत की जापान में प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने किया अवलोकन

कुरुक्षेत्र , वायरल सच

(ओम प्रकाश) विदेश प्रवर्तन विभाग हरियाणा तथा कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में जापान के टोक्यो में हरियाणा सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। भारत मंडपम में स्थापित हरियाणा पवेलियन न केवल भारतीय प्रवासियों के लिए गर्व का विषय बना हुआ है, बल्कि जापान और अन्य देशों के लोगों के आकर्षण का केंद्र भी बना है। इस पर्दशनी में विरासत हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र की ओर से विषय-वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई है। यह जानकारी विरासत के प्रवक्ता अभिनव पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी का अवलोकन हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, प्रधान

मुख्य सचिव श्री राजेश खुल्लर, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अमित अग्रवाल तथा हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग के मुख्यमंत्री सलाहकार पवन कुमार चौधरी ने अवलोकन किया। विरासत प्रदर्शनी में हाथ से बने हुए बीजने, फुलझडिड्डां, पेपर मैसी से बने हुए बोहिए, सिर पे रखने वाली इंडियां, हाथ से बनी हुई खाना रखने की चंगेरी, वायल तथा हरियाणा की हस्तकला की प्रतीक विभिन्न प्रकार की चूंदडिड्डां, हाथ से बने हुए मिट्टी के बर्तन तथा हरियाणवी हस्तकला के विविध नमूने प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए हैं। अभिनव पूनिया ने बताया कि विदेश प्रर्वतन विभाग हरियाणा की टीम ने पिछले दिनों विरासत हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र का अवलोकन किया। अवलोकन कर टीम ने जापान के टोक्यो शहर में लगने वाली प्रदर्शनी के लिए विषय-वस्तुओं का चयन किया। हरियाणा पवेलियन में सजाई गई प्राचीन विषय-वस्तुएं प्रवासी भारतीयों के साथ-साथ जापान के लोगों के लिए भी उत्साह का केन्द्र बनी हुई हैं।

जापान में विरासत प्रदर्शनी हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर, हरियाणा की लोक विरासत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दे रही है। इस प्रदर्शनी का गत दिवस हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं प्रतिनिधिमंडल ने अवलोकन किया। अभिनव पूनिया ने बताया कि इससे पूर्व विरासत हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र की ओर से ऑस्ट्रेलिया तथा बुल्गारिया में भी हरियाणवी हस्तकला प्रदर्शनी लगाई जा चुकी है।

लेनदार लगातार बना रहे थे दबाव, तंग आकर आढ़ती ने की आत्म-हत्या

पानीपत : सनौली खुर्द अनाज मंडी में आढ़ती सुनील गर्ग (42) ने मंगलवार दोपहर को जहरीला पदार्थ (सल्फास)खा लिया जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर शाम को उनकी मौत हो गई।परिजनों ने कुछ लोगों पर कर्ज चुकाने का दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मंगलवार सुबह भी एक व्यक्ति ने आढ़त पर आकर धमकी दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। आढ़ती की कितनी देनदारी थी अभी परिजनों ने इसकी जानकारी नहीं दी है। मामला थाना सनौली क्षेत्र के सनौली खुर्द अनाज मंडी का है। अनाज मंडी में आढ़ती सुनील गर्ग उर्फ लीला की आढ़त है। मंगलवार को वह आढ़त पर थे। दोपहर को उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। सूचना पर परिजनों ने उन्हें तुरंत पानीपत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर शाम को उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि सुनील गर्ग का कुछ लोगों के साथ लेन-देन था। कुछ दिन से कर्जदाताओं की ओर से दबाव बनाया जा रहा था। मंगलवार सुबह भी एक व्यक्ति ने आढ़त पर आकर उन्हें धमकी दी थी जिससे वह तनाव में आ गए और आत्महत्या कर ली। उधर, आढ़ती की मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जांच अधिकारी का कहना है कि परिजनों के बयान दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।वहीं पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और परिजनों ने आरोपी खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

जापान की डाइकिन और कुबोटा कंपनी करेगी हरियाणा में निवेश, युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

चंडीगढ़(एजेंसी): हरियाणा सरकार और जापान की प्रसिद्ध कंपनी डाइकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बीच बुधवार को ओसाका में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत डाइकिन कंपनी हरियाणा में 1000 करोड़ रुपये के निवेश से एक नया रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर स्थापित करेगी। युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विदेशी निवेश को आकर्षित करने और हरियाणा में वैश्विक औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान दौरे पर है। इस दौरान आज मुख्यमंत्री की उपस्थिति में ओसाका स्थित डाइकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आरएंडडी सेंटर में एमओयू किया गया। एमओयू पर हरियाणा की ओर से उद्योग एवं

वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल और डाइकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड की ओर से शोगो एंडो उप प्रबंध निदेशक ने हस्ताक्षर किए। प्रतिनिधिमंडल में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. यश गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। एमओयू के अंतर्गत डाइकिन कंपनी हरियाणा में नवाचार एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक नया रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर स्थापित करेगी। यह नया केंद्र अत्याधुनिक तकनीकों के विकास और सतत औद्योगिक समाधानों पर केंद्रित होगा। इसके माध्यम से हरियाणा को वैश्विक स्तर पर अनुसंधान एवं नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे पर गए राज्य के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को ओसाका स्थित कुबोटा ट्रैक्टर प्लांट का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और हरियाणा में कृषि उपकरण निर्माण क्षेत्र में संभावित निवेश और तकनीकी सहयोग के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान कुबोटा कंपनी ने एक्सकोर्ट के साथ मिलकर हरियाणा में 2000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की। कुबोटा का यह निवेश हरियाणा के औद्योगिक और कृषि दोनों क्षेत्रों के लिए एक बड़ा कदम साबित होगा। इससे न केवल आधुनिक कृषि तकनीक को राज्य में आएगी बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर भी सृजित करेगी। प्रतिनिधिमंडल में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित

अग्रवाल, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. यश गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कुबोटा कंपनी की अत्याधुनिक निर्माण तकनीकों और नवाचार आधारित उत्पादन प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है, इसलिए हरियाणा कृषि उपकरण निर्माण का एक बड़ा केंद्र बन सकता है। उन्होंने कंपनी को हरियाणा में निवेश करने और स्थानीय स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया।

मलबे में मिले चांदी के सिक्के, लोगों ने जमकर लूटा

महेंद्रगढ़ : गांव चेलावास में बुधवार देर शाम उमराव सिंह सेठ की पुरानी हवेली को तोड़ने के बाद मलबे में चांदी के सिक्के मिलने की घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी। अनाज मंडी के पास बुलडोजर से मलबा समतल करने के दौरान कुछ लोगों को चांदी के सिक्के दिखाई दिए, जिसके बाद यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। ग्रामीणों के अनुसार, मलबे में 100 से अधिक चांदी के सिक्के मिले हैं।

तोड़ी गई हवेली के मलबे से मिले सिक्के

ग्रामीणों ने बताया कि उमराव सिंह सेठ की पुरानी हवेली उनके पोते राजकुमार ने मान सिंह उर्फ बागड़ी को बेच दी थी। मान सिंह ने हवेली को तोड़कर उसका मलबा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर अनाज मंडी के पास डाला था। मलबा समतल करने के दौरान चांदी के सिक्के मिलने की सूचना पर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और मलबे को टटोलकर सिक्के खोजने लगे।

लोगों की भीड़ और सिक्कों की लूट

चांदी के सिक्के मिलने की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्रों से लोग मौके पर पहुंचे और मलबे में सिक्के तलाशने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई लोग सिक्के लेकर अपने घर चले गए। देर शाम तक मलबा पूरी तरह टटोला जा चुका था। घटना की जानकारी मिलने के बावजूद देर शाम तक न तो पुलिस और न ही प्रशासन का कोई अधिकारी मौके पर पहुंचा। इस मामले में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया गया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अमेरिका में आने वाले ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को मीडियम और हैवी ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ये 1 नवंबर से लागू होगा। पहले यह शुल्क 1 अक्टूबर से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसे एक महीने टाल दिया गया है। ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, 1 नवंबर 2025 से, दूसरे देशों से अमेरिका आने वाले सभी मध्यम और भारी वाहन ट्रकों पर 25% शुल्क लगेगा। अमेरिका में ज्यादातर ट्रक पड़ोसी देश कनाडा और मेक्सिको से आते हैं, जहां पहले से ही व्यापार समझौता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, पिछले साल अमेरिका ने 2 लाख 45 हजार 764 मध्यम और भारी वाहन ट्रक खरीदे, जिनमें से अधिकांश कनाडा और मेक्सिको से आए। इनकी कुल कीमत 201 अरब डॉलर रही, जिसमें कनाडा से 45 अरब और मेक्सिको से 156 अरब डॉलर का योगदान था। अमेरिकी ऑटोमोबाइल बाजार में ये ट्रक कुल वाहनों के सिर्फ 5% हिस्से के हैं। लेकिन एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी अमेरिका में इनकी मांग का लगभग 80% अमेरिका ही पूरा करता है। इन ट्रकों को वजन के आधार पर बांटा जाता है। मध्यम ट्रक का वजन 14,000 से 33,000 पाउंड के बीच होता है, जबकि 33,000 पाउंड से ज्यादा वजन वाले को भारी ट्रक कहा जाता है। अमेरिका में ये मुख्य रूप से लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई), निर्माण कार्य और कचरा प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होते हैं।

सीडीएस ने सभी के लिए कोविड-19 टीके की सिफारिश बंद की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग की शीर्ष इकाई- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने अब कोविड-19 वैक्सीन को लेकर अपनी सिफारिशें बदल दी हैं। सीडीसी ने कहा कि अब किसी भी आयु वर्ग के शख्स के लिए टीका अनिवार्य नहीं है। सीडीसी अब सभी लोगों को टीके लगवाने की सिफारिश नहीं कर रही है। यह फैसला स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की तरफ से नियुक्त नए सलाहकार समूह की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। इससे पहले 6 महीने और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए वार्षिक बूस्टर डोज़ की सिफारिश की जाती थी, लेकिन अब यह निर्णय मरीजों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। कैनेडी ने मई में स्वस्थ बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीन की सिफारिश हटाने की घोषणा की थी। उन्होंने सीडीसी की पारंपरिक सलाहकार समिति को हटाकर नया समूह बनाया। नए समूह में पिछले महीने हुए मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी अमेरिकी टीके को लेकर स्वयं निर्णय लें। सीडीसी ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों को डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसके अलावा, सीडीसी ने चिकनपॉक्स (वरिसेला) की पहली खुराक को अलग से देने की सिफारिश की है। सीडीसी का कहना है कि संयुक्त टीके से बुखार और दौरे का खतरा अधिक होता है।

यूनेस्को ने मिस्र के व्यक्ति को नया निदेशक बनाया, अमेरिका के हटने के बाद बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की इकाई- यूनेस्को को पहली बार अरब देशों से जुड़ा महानिदेशक मिल सकता है। मिस्र के पूर्व पर्यटन और पुरावशेष मंत्री खालिद एल-अनानी को एजेंसी के कार्यकारी बोर्ड ने निदेशक पद के लिए नामित किया है। अगले महीने उज्बेकिस्तान में यूनेस्को की महासभा होने वाली है। यदि इसमें खालिद एल-अनानी के निदेशक बनने की पुष्टि हो जाती है, तो वे एजेंसी की कमान संभालेंगे। हाल ही में अमेरिका के यूनेस्को से बाहर होने के फैसले के बाद यह बदलाव हो रहा है। ये संस्था बजट संकट का सामना भी कर रही है। नॉमिनेशन के समय एल-अनानी ने कांगो के अर्थशास्त्री फिर्मिन एडुआर्ड मातोको को पीछे छोड़ा। मातोको शरणार्थी शिविरों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सुरक्षा के अलावा, लड़कियों की शिक्षा, होलोकॉस्ट (यहूदियों के नरसंहार) को लेकर जागरूकता और विकासशील देशों में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने जैसे अहम कार्यों के लिए जाना जाता है।

हिजबुल्लाह कब छोड़ेगा हथियार? निरस्त्रीकरण के सवाल पर लेबनानी सेना प्रमुख ने सरकार को दी जानकारी

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के सेना प्रमुख जनरल रूडोल्फ हैकाल ने पहली बार सरकार को ये जानकारी दी है कि हिजबुल्लाह हथियार कब छोड़ेगा। निरस्त्रीकरण की योजना एक महीने पहले कैबिनेट में चर्चा के बाद सामने आई थी। इसमें सभी हथियारों को सरकार के नियंत्रण में लाने की बात कही गई थी। हालांकि, इस योजना का विवरण गोपनीय रखा गया है। खबरों के मुताबिक हिजबुल्लाह ने इस योजना को खारिज कर दिया है।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।

आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां : इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है।

वारदात से परिवार और समुदाय में शोक : भारतीय छात्र की हत्या के मामले में ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक गोफंडमी अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे।

अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है। शवों को भारत लाने में कई बार हफ्तों लग जाते हैं, क्योंकि प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल होती हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल इस वारदात के बाद फिर से विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है, देर रात या असुरक्षित इलाकों में काम करना कई बार उन्हें खतरे में डाल देता है। भारतीय समुदाय के लोग अब यह मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन ऐसे छात्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करें और देर रात काम करने वालों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं।

ब्रिटेन की प्रसिद्ध उपन्यासकार जिली का 88 की उम्र में निधन

लंदन, एजेंसी। राइवल्स और राइडर्स जैसे सनसनीखेज उपन्यासों के लिए मशहूर, बेस्टसेलिंग ब्रिटिश लेखिका जिली कूपर का निधन हो गया है। वह 88 वर्ष की थीं। कूपर के परिवार ने एक बयान में कहा कि उनका अचानक दुनिया से जाना परिवार के लिए बड़ा सदमा है। लेखिका की एजेंट फेलिसिटी ब्लंट ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि मैंने एक ऐसी महिला के साथ काम किया, जिन्होंने 50 साल पहले अपनी पहली रचना के प्रकाशन के बाद से ही संस्कृति, लेखन और संवाद को परिभाषित किया।

एवरेस्ट पर बर्फीले तूफान से एक की मौत, 137 बचाए गए : ल्हासा, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट की तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान में फंसे एक पर्वतारोही की मौत हो गई, जबकि 137 अन्य बचा लिए गए हैं। लापता पर्वतारोहियों की तलाश जारी है। किंघई प्रांत में बर्फबारी में फंसे सभी पर्वतारोही स्थिर हालत में हैं। 4,000 मीटर की औसत ऊंचाई पर लाओहुगो क्षेत्र में बर्फबारी जारी है। पर्वतारोहियों की खोज के लिए 300 से ज्यादा खोजी कर्मी, घोड़े और दो मध्यम आकार के ड्रोनों का इस्तेमाल करने वाली 10 से ज्यादा टीमें तैनात हैं। इससे पहले, सरकारी सीसीटीवी ने बताया था कि 350 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 200 अभी भी लापता हैं।

नेपाल सेना ने लांगटांग से 12 को बचाया, दो दिन में 52 की मौत : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सेना ने सोमवार को लगातार बारिश-भूस्खलन के बीच लांगटांग क्षेत्र में फंसे 12 ट्रेकर्स को बचाया। सभी 12 लोगों को रसुवा के स्याफ्रुबेसी लाया गया। हालांकि, बेरिंग खोला नदी में बहे 4 लोगों का पता नहीं चला है। 16 लोगों का यह समूह काठमांडो से लांगटांग राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र की यात्रा पर निकला था। शनिवार को लगातार बारिश के बाद एक नाले में बह जाने के बाद, दो महिलाओं सहित चार लोग लापता हो गए।

सैन्य काफिले पर सशस्त्र हमले में 4 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए : वाशुक, एजेंसी। बलूचिस्तान के वाशुक जिले में एक सैन्य काफिले पर हुए सशस्त्र हमले में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और एक अधिकारी समेत दो अन्य घायल हो गए। यह हमला बसिमा के पथक इलाके में हुआ जब तीन सैन्य वाहनों के काफिले पर अज्ञात आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने स्वचालित और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया एवं क्षेत्र में लंबे समय तक गोलीबारी और विस्फोट होते रहे। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने एक सैनिक की मौत और एक अधिकारी के घायल होने की पुष्टि की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा के बदले सुर, टैरिफ कम करने के लिए 30 मिनट तक ट्रंप से की बातचीत

ब्रासीलिया, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति दुनियाभर के कई देशों पर भारी पड़ रहा है। इसमें भारत, ब्रजील जैसे देशों का नाम भी शामिल है। इसी बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैरिफ और स्थानीय अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने का अनुरोध किया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में कुल 30 मिनट तक फोन पर आपस में बातचीत की।

मामले में ब्रजील सरकार की ओर से जारी बयान में दोनों नेताओं के फोन पर बातचीत की पुष्टि की गई है। साथ ही बयान में ये भी बताया गया कि ब्रजील के राष्ट्रपति सिल्वा और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने जल्द व्यक्तिगत रूप से मिलने पर सहमति जताई। बातचीत का लहजा दोस्ताना था।

ट्रंप का बातचीत पर सहारात्मक रुख इस दौरान ट्रंप ने कहा कि लूला के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत रही। दोनों ने मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था और व्यापार पर चर्चा की। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, हम आगे भी चर्चा करेंगे और निकट भविष्य में ब्राजील और अमेरिका में मिलेंगे।

मामले में ब्राजील सरकार के अनुसार, लूला ने मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान बैठक का सुझाव दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने की इच्छा जताई। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद ने बैठक के बाद ब्रासीलिया में कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। इसमें उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और विदेश मंत्री मौरो विएरा ने भी भाग लिया। बता दें कि शुरुआत में ब्राजील पर न्यूनतम 10% टैरिफ लगाया गया था, लेकिन बाद में ट्रंप ने कई प्रमुख निर्यातों पर इसे बढ़ाकर 40% कर दिया, जिससे कुल टैरिफ 50% हो गया।

मैंने जो कहा, वह बहुत असरदार था, वे रुक गए, ट्रंप ने फिर किया भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में चले संघर्ष को रुकवाने का दावा किया है। इतना ही नहीं ट्रंप एक बार फिर से टैरिफ को हथियार बताने से भी नहीं चूके। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को रोकने में टैरिफ (आयात शुल्क) का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया। जो उन्होंने कहा था, वह बहुत असरदार साबित हुआ।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, ÷टैरिफ अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम टैरिफ की वजह से शांति-रक्षक हैं। हम सैकड़ों अरब डॉलर कमाते हैं, लेकिन साथ ही टैरिफ के कारण हम युद्ध रोकने की ताकत भी रखते हैं।÷ उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का

इस्तेमाल न किया होता, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते।

ट्रंप ने कहा, ÷मैं युद्ध रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे एक-दूसरे पर हमला करने के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे। वे लड़ाई के लिए तैयार थे। दोनों ही परमाणु शक्ति से संपन्न देश हैं। मैं इसका जिक्र नहीं करना चाहता कि मैंने क्या कहा था, लेकिन जो मैंने कहा वह बहुत प्रभावी था। वे रुक भी गए। यह टैरिफ और व्यापार पर आधारित था।

भारत करता रहा है तीसरे पक्ष के दखल से इनकार गौरतलब है कि भारत ने पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं को सबक सिखाने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

चार दिन तक चले हमलों के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का समझौता हुआ था। तब ट्रंप ने एक पोस्ट के जरिए संघर्ष रुकवाने का श्रेय लेने की कोशिश की थी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता दोनों सेनाओं के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा। ट्रंप लगातार करते रहे हैं सात युद्ध रुकवाने का दावा उधर ट्रंप ने लगातार दावा किया कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक सात युद्ध खत्म करवाए हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान, कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कॉन्गो-रवांडा, इस्राइल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया और आर्मेनिया-अजरबैजान के बीच संघर्ष शामिल हैं। ट्रंप कहते रहे हैं कि इनमें से कम से कम आधे युद्ध मेरे व्यापारिक कौशल और टैरिफ की ताकत से खत्म हुए। अगर मेरे पास टैरिफ न होते, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते और रोज हजारों लोग मारे जा रहे होते।

कनाडा के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रंप; जापान की भावी पीएम ताकाइची को दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते दो बड़े अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसमें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से व्हाइट हाउस में औपचारिक बैठक करेंगे। इसके बाद गुरुवार को वे अपने आठवें कैबिनेट की बैठक करेंगे और उसी दिन दोपहर को उनकी फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब से भी मुलाकात होगी। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कल व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे। गुरुवार को वे अपने कैबिनेट की बैठक करेंगे, और फिर फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब के साथ बैठक करेंगे।

कनाडा बिकाऊ नहीं- कार्नी का ट्रंप को जवाब : बता दें कि कुछ महीने पहले मई में जब ट्रंप और कार्नी की मुलाकात हुई थी, तब दोनों के बीच थोड़ा तीखा संवाद हुआ था। इस दौरान ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। इस पर कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने सीधा जवाब दिया, रियल एस्टेट की तरह कुछ जगहें बिकाऊ नहीं होतीं। कनाडा भी बिकाऊ नहीं है, और कभी नहीं होगा। इस पर भी ट्रंप ने अपनी बात से पीछे नहीं हटते हुए कहा, समय बताएगा। मैं कभी नहीं पर विश्वास नहीं करता। कई बार जो चीजें नामुमकिन लगती हैं, वे दोस्ताना तरीके से मुमकिन हो जाती हैं।

जापान की नई महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई : उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जापान की नई नेता साने ताकाइची को भी बधाई दी है। लेविट ने बताया कि, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कहा है कि मैं जापान को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी अगली प्रधानमंत्री का चुनाव किया है। वह एक बेहद सम्मानित और समझदार नेता हैं, जो हमारे महान सहयोगी देश जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।

जापान में इतिहास रचने जा रहीं साने ताकाइची : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बुद्धिमान और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला बताया। उन्होंने कहा कि वे जापान के अद्भुत लोगों को भी बधाई देते हैं। बता दें कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से ताकाइची के चुने जाने के बाद वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को पुतिन की चेतावनी, यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने से हमारे संबंध खराब होंगे

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका को चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आगाह करने के अंदाज में उनके रूसी समकक्ष पुतिन ने साफ किया है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दीं तो द्विपक्षीय संबंध खराब होंगे। पुतिन ने कहा, यूक्रेनी सेना इन मिसाइलों को खुद नहीं चला पाएगी। उन्होंने अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर मदद करने का दावा करते हुए गंभीर आरोप भी लगाए। वैश्विक ताकतों के टकराव और लंबे समय से जारी संघर्षों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति की तो वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंधों खराब हो जाएंगे।

एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये : सितंबर के अंत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि व्हाइट हाउस कीव को टॉमहॉक मिसाइलें देने पर विचार कर रहा। एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये है। इनकी मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है, जिससे ये मिसाइलें मॉस्को और उसके बाहर भी हमला कर सकेंगी।

अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर यूक्रेन के साथ प्रत्यक्ष भागीदारी के आरोप पुतिन ने शनिवार को एक

साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप का ऐसा कदम हमारे संबंधों को बर्बाद कर देगा। इससे पहले बृहस्पतिवार को वल्दाई डिस्कशन क्लब में रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेनी सेना अमेरिकी सैन्यकर्मियों की प्रत्यक्ष भागीदारी के बिना इन मिसाइलों का संचालन नहीं कर सकेगी। क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी रूस की ताकत का उल्लेख करते हुए पुतिन ने कहा, अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी। यह भी कहा कि रूस की वायु रक्षा प्रणालियां पहले से इसी तरह के पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति के अनुकूल हो चुकी हैं। जेलेंस्की ने विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था स्थानीय समाचार एजेंसी के अनुसार, टॉमहॉक मिसाइलों की डिलीवरी पर बहस पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई बैठक के बाद शुरू हुई थी। जेलेंस्की ने उस मुलाकात के दौरान विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान ने अमेरिका को खनिजों की पहली खेप भेजी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने पहली बार अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की छोटी खेप भेजी है। ये खनिज पिछले महीने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम) के साथ हुए 50 करोड़ डॉलर के सौदे के तहत भेजे गए। हालांकि इन्हें भेजने की टाइमिंग नहीं पता चल पाई है। इस सौदे का मकसद पाकिस्तान में खनिजों की खोज और प्रोसेसिंग के लिए कारखाने बनाना है। ये नमूने पाकिस्तानी सेना की ब्रांच फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन की मदद से तैयार किए गए। यूएसएसएम ने इसे पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती का बड़ा कदम बताया। कंपनी का कहना है कि यह समझौता खनिजों की खोज से लेकर प्रोसेसिंग तक सब कुछ कवर करता है।

इमरान खान की पार्टी ने सौदे का विरोध किया : वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसका विरोध किया है। पीटीआई नेता शेख वक्कास

अकरम ने कहा ऐसे सीक्रेट सौदे से देश के हालात खराब हो सकते हैं। क्क्ष्ढ्ढ ने मांग की कि सरकार अमेरिका के साथ हुए सौदों का पूरा ब्योरा जनता को बताए। क्क्ष्ढ्ढ के नेता ने कहा कि संसद और लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। हम देश के हितों के खिलाफ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

यूएसएसएम डिफेंस से जुड़े खनिज रिसाइकल करती है : यूएसएसएम कंपनी का कहना है कि यह सौदा खनिजों की खोज से लेकर रिफाइनरी बनाने तक सब कुछ कवर करता है। मिसूरी की यह कंपनी ऐसे खनिज बनाती और रिसाइकल करती है जो रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के लिए जरूरी हैं। खेप में एंटीमनी, कॉपर कंसन्ट्रेट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडिमियम व प्रेजियोडिमियम शामिल हैं। इससे पहले सितंबर में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुलाकात की थी। इस दौरान मुनीर ने ट्रम्प को रेयल मिनरल्स से भरा ब्रीफकेस दिखाया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसके पास 6 ट्रिलियन डॉलर की खनिज संपदा है। वो चाहता है कि अमेरिकी निवेशक यहां इन्वेस्ट करें। पाकिस्तान का अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने तीन दिन पहले ही अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं। प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने अब तक श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया है और वह अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अगर दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है तो वह शीर्ष पर पहुंच जाएगी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित शीर्ष क्रम की बल्लेबाज पहले दो मैचों में असफल रही हैं, ऐसे में अब उनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। भारतीय टीम को इस मैच में हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना से भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगा। ये तीनों ही श्रीलंका और पाक के खिलाफ विफल रहीं थी। अब तक हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इनसे इस मैच में भी उसी प्रकार का प्रदर्शन करने की उम्मीद रहेगी। पहले दोनो ही मैचों में भारतीय टीम को निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती स्वीकार नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर रन बनाने होंगे। अगर परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में वह नीचे आ सकती है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले के लिए भी टीम पर दबाव बढ़ जाएगा।

पिछले दो मैचों में मुख्य बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत मिलना टीम की गहराई और जुनून को दिखता है। वहीं दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि विशाखापत्तनम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। इसमें बल्लेबाजों को सहायता मिलती है। इसलिए और बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। दीप्ति ने अभी तक छह विकेट

लिए है। उन्हें स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला है। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी फिट होने पर इस मैच में खेल सकती हैं। ऐसे में रेणुका सिंह को बाहर बैठना होगा।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वह वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर ही आउट हो गयी थी पर उसके बाद संभल गयी है और अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी। उसके पास तजमीन ब्रिट्ज और सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश जैसी बल्लेबाज हैं। तजमीन ने पिछले मैच में शानदार शतक लगाया था और वह ऐसा ही प्रदर्शन इस मैच में भी करना चाहेंगी। वहीं गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन जैसी गेंदबाज हैं जिनसे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका = लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी, अगले सीजन में दमदार वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीत चुके नीरज ने कहा, 'बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।'

नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं।

नीरज ने कहा, 'मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022) जीती, जो मेरे लिए खास है। मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने परिवार और दोस्तों के साथ स्विट्ज़रलैंड का आनंद लिया। यह देश मुझे हमेशा याद रहेगा।'

नीरज ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भारत से बाहर रहते हैं क्योंकि अधिकांश प्रतिस्पर्धाएँ विदेशों में होती हैं, खासकर यूरोप में। भारत में रहते हुए यात्रा और अभ्यास के साथ शेड्यूल बहुत व्यस्त हो जाता है, लेकिन स्विट्ज़रलैंड में उन्हें अभ्यास और रिकवरी दोनों के लिए सुविधा मिलती है।

धोनी मुंबई इंडियंस के लोगो वाली टी शर्ट में नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पांच बार आईपीएल खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी के आईपीएल 2026 में खेलने को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। हर बार बढ़ती उम्र को देखते हुए उनके संन्यास की अटकलें लगायी जाती रही हैं पर धोनी मैदान में उतरकर सबको हैरान कर देते हैं। वहीं अब एक नई तस्वीर आई है। इसमें धोनी आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के लोगो लगी ड्रेस में नजर आये। इसके बाद से ही प्रशंसक अटकलें लगाने लगे कि धोनी कहीं मुम्बई इंडियंस में तो नहीं जा रहे। इस तस्वीर में धोनी कुछ क्रिकेटरों और कुछ प्रशंसक के साथ जो टी शर्ट पहने हुए हैं, उस पर मुंबई इंडियंस का लोगो लगा हुआ है। धोनी वैसे तो एक फुटबॉल गेम का हिस्सा बने थे पर किट पर एमआई का लोगो देख हर कोई अटकलें लगाने लग गया है कि वे अगले सत्र में मुंबई इंडियंस की ओर

से खेल सकते हैं। इतना ही नहीं, प्रशंसक ने कहा कि रोहित शर्मा को चेन्नई शामिल ककरें वहीं कुछ प्रशंसक धोनी से नाराज भी दिखे। उनका कहना था कि उन्हें सीएसके टीम के पास ही बने रहना चाहिये। एमएस धोनी से नाराज भी नजर आए। एक यूजर ने लिखा कि धोनी एमआई और रोहित सीएसके जा सकते हैं। इससे पहले धोनी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेन्नई के अंतिम लीग मैच के बाद कहा, मेरे पास आईपीएल खेलने पर फैसला लेने के लिए चार-पांच महीने हैं, इसलिए मैं कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।

सचिन तेंदुलकर ने भारतीय वायुसेना दिवस पर जताया गर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने 93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर अपने खास अंदाज़ में देश के वीर आसमानी योद्धाओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना सिर्फ हमारे आसमान की नहीं, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं की भी रक्षा करती है। सचिन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'भारतीय वायु सेना का हिस्सा बनकर गर्व है। भारतीय वायुसेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! जय हिंद!'

हिंडन एयरबेस पर गूंजा जश्न

वायुसेना दिवस का मुख्य समारोह गाजियाबाद के हिंडन वायुसेना स्टेशन पर आयोजित हुआ, जहाँ आसमान में उड़ते फाइटर जेट्स और जमीन पर मार्च करती टुकड़ियों ने सबका दिल जीत लिया। इस मौके पर ऑपरेशन 'सिंदूर' को भी विशेष श्रद्धांजलि दी गई, जो भारतीय वायुसेना के

इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

1932 से आज तक का गौरवशाली सफर

भारतीय वायुसेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को ब्रिटिश भारत की सहायक इकाई के रूप में हुई थी। आज यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायुसेनाओं में गिनी जाती है, जिसका मूल उद्देश्य भारत के वायुक्षेत्र की सुरक्षा और आपात स्थिति में हवाई युद्ध संचालन करना है।

क्रिकेट जगत से भी देशभक्ति की गूंज

सिर्फ सचिन ही नहीं, बल्कि भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और पूर्व ओपनर शिखर धवन ने भी वायुसेना को सलाम किया। गंभीर ने लिखा, ÷हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम!÷ वहीं धवन ने कहा, ÷उन लोगों को नमन जो सच में आसमान के मालिक हैं - जय हिंद!÷

टीम इंडिया का अगला मिशन

क्रिकेट मोर्चे पर, भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी, जहां 19 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज़ और 29 अक्टूबर से 5 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। यह सीरीज़ अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन,चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

शंघाई। नोवाक जोकोविच ने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के ज़िज़िओउ बर्ग्स से होगा। वहीं, मंगलवार को होल्गर रूण लगभग तीन साल बाद अपने पहले अक्र मास्टर्स 1000 खिताब के करीब पहुंचे, जब उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 6-4, 6-7(7), 6-3 से हराया।

इसी माह रणजी सत्र से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इसी माह से खेल के मैदान पर उतर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

राउंडग्लास हॉकी अकादमी का जलवा बरकरार, लगातार दूसरी बार जीता अंडर-16 खिताब

मोहाली (एजेंसी)। RGHA (राउंडग्लास हॉकी अकादमी) ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए एसएनबीपी ऑल इंडिया अंडर-16 बॉयज हॉकी टूर्नामेंट का खिताब एक बार फिर अपने नाम किया। पुणे के बालेवाड़ी महालुंगे में खेले गए फाइनल में आरजीएचए ने ओडिशा नेवल टाटा ग्रासरूट्स अकादमी को 3-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम की ओर से प्रह्लाद पांडे ने दो गोल दागे, जबकि अर्शप्रीत सिंह ने एक गोल करते हुए टीम को खिताबी जीत दिलाई। ओडिशा नेवल टाटा की ओर से बिकाश मांझी ने एकमात्र गोल किया।

मैच की शुरुआत से ही आरजीएचए ने आक्रामक खेल दिखाया और 14वें मिनट में अर्शप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में

बदलकर बढ़त दिलाई। हालांकि 34वें मिनट में बिकाश मांझी ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आरजीएचए ने नियंत्रण दोबारा हासिल करते हुए 38वें और 53वें मिनट में प्रह्लाद पांडे के शानदार गोलों से जीत पक्की की।

टूर्नामेंट में अर्शदीप सिंह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, जबकि वरिंदर सिंह को सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का पुरस्कार मिला।

सेमीफाइनल में आरजीएचए ने घुमनहेड़ा राइजर्स हॉकी अकादमी (नई दिल्ली) को 8-2 से हराया था। इस मैच में वरिंदर सिंह ने हैट्रिक लगाई, जबकि रोहित पाल और अर्शप्रीत सिंह ने दो-दो गोल किए।

क्वार्टरफाइनल में भी आरजीएचए का दबदबा कायम रहा, जहां उन्होंने जय हॉकी अकादमी को 9-0 से हराया। वरिंदर सिंह ने एक और हैट्रिक लगाई, जबकि रोहित पाल, प्रह्लाद पांडे, अर्शदीप सिंह, अर्जनदीप सिंह और अर्शप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया।

कोच विकास पाल के मार्गदर्शन में खेल रही यह युवा टीम पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही। ग्रुप चरण में भी उन्होंने वीर हॉकी अकादमी को 11-0 और इन्फिनिटी हॉकी अकादमी को 8-0 से हराते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

विश्व जूनियर बैडमिंटन : भारत ने यूएई को हराकर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

गुवाहाटी। भारत ने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यूएई को सीधे सेटों में हराकर योनेक्स-सनराइज बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। भारत ने यूएई को 45-37, 45-34 से हराते हुए आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया। टीम की शुरुआत तन्वी शर्मा ने की, जिन्होंने भारतीय जूनियर चैंपियन प्रकृति भरत को 9-5 से हराया। इसके बाद सी लालरामसांगा और विशाखा टोप्पो की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी 18-10 से जीत दर्ज की। यूएई ने लड़कों के एकल और युगल मुकाबलों में अच्छी चुनौती दी, लेकिन भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। ग्रुप ए में भारत के अलावा जापान, थाईलैंड, अमेरिका और फ्रांस ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जापान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब भारत को अपने क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंदी का पता ग्रुप जी में शीर्ष पर रहने वाली टीम के मुकाबले के बाद ही चलेगा। भारत इस टूर्नामेंट में एकमात्र अपराजित टीम के रूप में आगे बढ़ रहा है, और टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देश के लिए उम्मीद जगाता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ेगा : फिंच

सिडनी (एजेंसी)। रोहित शर्मा की जगह पर नये कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भरतीय टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच की प्रतिक्रिया सामने आयी है। फिंच का कहना है कि ये सीरीज रोमांचक रहेगी पर इसमें भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ सकता है। फिंच के अनुसार देखने पर दोनो ही टीमें बराबरी पर नजर आती हैं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान होने के कारण हावी रहेगी। फिंच का कहना है कि इस दौरे में सभी की नजरें विराट कोहली को एक बार फिर खेलते हुए देखने पर रहेंगी।

फिंच ने कहा, 'यह एक अच्छी सीरीज होगी। भारत के खिलाफ हमेशा ही रोमांचक मुकाबला होता है और मुझे लगता है कि विराट की वापसी से उनके खेल में और निखार आएगा। कागज पर यह मुकाबला हालांकि बहुत ही बराबरी का है लेकिन मैं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से सीरीज जीत सकता है।'

फिंच ने हाल में टेस्ट प्रारुप में गिल की कप्तानी की प्रशंसा की। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि गिल को रोहित और विराट का भी सहयोग मिलेगा जो उन्हें इंग्लैंड दौरे पर नहीं मिल पाया था। फिंच ने कहा. ÷शुभमन ने पहले ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाई है, इसलिए मुझे भरोसा है कि यह कोई अलग नहीं होगा। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, खासकर सफेद गेंद के फॉर्मेट में और जिस तरह से उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी की। उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। ये भारतीय टीम लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है कि वह अगले कदम के लिए तैयार हैं और सभी तीन फॉर्मेट को भविष्य में संभाल सकते हैं।'

इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उनके पास सलाह के लिए ज्यादा विकल्प नहीं थे पर इसके बाद भी शुभमन ने अपने बल पर ही शानदार काम किया पर इसक बार रोहित और कोहली के होने से वह और अधिक बेहतर तरीके से कप्तानी कर पायेंगे। वह जानते हैं कि टीम को कैसे आगे ले जाना है।

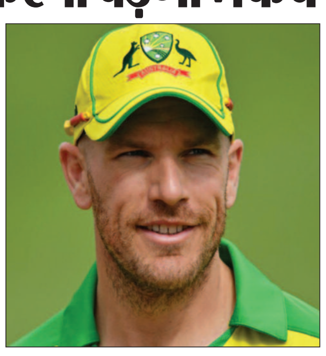

धवन पर मुक्के बरसाना चाहता है पाक स्पिनर अबरार

लाहौर। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के एक ताजा वीडियो से भारतीय टीम के प्रति पाक क्रिकेटरों की नफरत का खुलासा हुआ है। अबरार इस वीडियो के दौरान एक साक्षात्कार देते नजर आये। इसमें जब उनसे पूछा गया कि आप किस भारतीय क्रिकेटर से गुस्से में रहते हैं तो अबरार ने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम लिया और कहा कि वह धवन पर घूंसे बरसाना चाहते हैं। अब पाक क्रिकेटर ने ये मजाक में कहा या किसी और कारण से ये स्पष्ट नहीं हुआ है। बहरहाल इस वीडियो पर प्रशंसकों ने नाराजगी जताते हुए इससे खेल भावना के विपरीत बताया है। अबरार पहले भी अपने बेतुके सेलिब्रेशन के कारण विवादों में रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने कई बार उनकी क्लास लगायी है। वह भारतीय टीम के खिलाफ विकेट लेने के बाद अलग ही अंदाज में जश्न मनाते रहे हैं। इस दौर गर्दन घुमाते और आंखों को मटकाते रहे हैं। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में शुभमन गिल को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन को झटक-झटक आंखों को अलग ही अंदाज में मटकाकर भारतीय प्रशंसकों को उकसाने का प्रयास किया था। पिछले महीने एशिया कप के फाइनल में भी संजू सैमसन को आउट करने के बाद भी उन्होंने गर्दन को अजीब तरह से हिलाया था। अबरार ने अब तक पाकिस्तान के लिए 10 टेस्ट और 11 एकदिवसीय खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 46 विकेट और एकदिवसीय में 18 विकेट दर्ज हैं। उन्होंने 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29 विकेट लिए हैं। अबरार एशिया कप फाइनल में 29 रन देकर एक विकेट लिया था। संजू सैमसन को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन हिलाकर आंखों को खास अदा से मटकाकर भारतीय प्रशंसकों को चिढ़ाया था।

जडेजा और सिराज ने रचा इतिहास, आईसीसी रैंकिंग में हासिल किया करियर का सर्वश्रेष्ठ मुकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दो प्रमुख चेहरे रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाइयां छू ली हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बड़ा मुकाम हासिल किया। जडेजा बल्लेबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में उछले, जबकि सिराज गेंदबाजी सूची में चमके।

जडेजा की शानदार बल्लेबाजी और ऑलराउंड प्रदर्शन

रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहली पारी में नाबाद 104 रन बनाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 25वां स्थान हासिल किया जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ है। साथ ही चार विकेट लेकर उन्होंने ऑलराउंडर रैंकिंग में अपनी शीर्ष स्थिति और मजबूत कर ली। अब उनके कुल 644 रेटिंग पॉइंट्स हैं और मेहदी हसन पर 125 अंकों की बढ़त है।

सिराज गेंदबाजी रैंकिंग में पहुंचे 12वें स्थान पर

तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने अपनी लय को जारी रखते हुए पहली पारी में 4 और दूसरी में 3 विकेट झटके। इस प्रदर्शन के दम पर वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुँच गए हैं। सिराज के करियर में पहली बार 700 से अधिक रेटिंग अंक हुए हैं, जिससे वह दुनिया के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ों में शुमार हो गए हैं।

राहुल और जुरेल को भी रैंकिंग में फायदा

केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने अहमदाबाद टेस्ट में अपने शतकों से टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके चलते राहुल चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर आ गए हैं, जबकि जुरेल ने अपने पहले ही टेस्ट शतक के बाद 20 स्थान की छलांग लगाते हुए 65वें पायदान पर जगह बनाई।

कुलदीप यादव का भी शानदार प्रदर्शन

बाएँ हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव ने भी प्रभावशाली गेंदबाज़ी जारी रखी। उन्होंने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दो अहम विकेट लेकर रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई और अब वह 21वें स्थान पर हैं। यह प्रदर्शन उनके टेस्ट करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में गिना जा रहा है।

टी20 रैंकिंग में भी हुए बड़े बदलाव

आईसीसी टी20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श ने शानदार बल्लेबाज़ी से टॉप 10 में वापसी की है। वहीं न्यूज़ीलैंड के टिम रॉबिन्सन और अफ़गानिस्तान के राशिद खान ने भी उल्लेखनीय प्रगति की। राशिद अब गेंदबाज़ी सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जो पिछले साल जून के बाद उनका सबसे ऊंचा स्थान है।

भागवत के किरदार में आई चुनौतियों पर बोले जितेंद्र कुमार

अभिनेता जितेंद्र कुमार इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म भागवत चैप्टर 1- राक्षस को लेकर चर्चा में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जितेंद्र इस फिल्म में नेगेटिव रोल अदा करते दिखेंगे।

फिल्म भागवत में जितेंद्र कुमार को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखा जाएगा। फिल्म की रिलीज से पहले जितेंद्र कुमार ने एक बिल्कुल अलग किरदार में अपनी दिलचस्पी को लेकर बात की। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में जितेंद्र ने कहा कि वह पिछले दो वर्षों से इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, यह एक हैरान कर देने वाली फिल्म है और इसे आश्चर्यजनक तरीके से बनाया गया है। हम ट्रेलर को मिली प्रतिक्रियाओं से काफी खुश हैं।

किरदार के लिए लेखक और निर्देशक से की लंबी बात

जितेंद्र ने अपने किरदार को लेकर कहा कि उन्होंने इस भूमिका में ढलने के लिए लेखकों और निर्देशक के साथ व्यापक चर्चा की थी। जितेंद्र ने कहा, यह सुनिश्चित किया गया कि किरदार में रियलिज्म बरकरार रहे और मेरे किरदार की अलग-अलग परतों में भी यह हकीकत नजर आए। सभी सीन असली रियल लोकेशन पर फिल्माए गए, लेकिन मुझे कहानी की पृष्ठभूमि में गहराई से न जाने के लिए कहा गया, क्योंकि कहानी वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है। उन्हें लगा कि यह गलत दिशा में जा सकती है।

किरदार का हर हिस्सा अलग है

जितेंद्र ने अपने किरदार को चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा, इस भूमिका का हर हिस्सा एक अलग रंग और परत लेकर आता है। कुछ ऐसा, जो मैंने पहले कभी नहीं किया था। जितेंद्र ने बताया कि शूटिंग के दौरान खासकर एक सीन पूरा करने के बाद वह उत्साहित और घबराए हुए दोनों थे। उन्होंने आगे कहा, जब भी हम कोई नया सीक्वेंस शूट करते थे तो मैं अपनी परफॉर्मेंस को लेकर बहुत उत्सुक रहता था। हर सीन मुझे घबराहट से भर देता था। मैं सोचता था कि मुझे इसे जल्दी से करना है और फिर देखना है कि यह कैसा बना है। मुझे आगे क्या बदलाव करने की जरूरत है?

आनंद देवरकोंडा के भाई संग पर्दे पर रोमांस करेंगी निताशी गोयल

फिल्म लापता लेडीज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल अब एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक नितांशी जल्द ही तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय चेहरे आनंद देवरकोंडा के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। लंबे समय से नितांशी के फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

पैन-इंडिया फिल्म की शुरुआत

अब खबर है कि नितांशी, आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही है और शूटिंग अगले महीने शुरू होगी। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट 2025 की सबसे बड़ी क्रॉस-इंडस्ट्री फिल्मों में से एक होगा, जिसमें हिंदी और साउथ सिनेमा की लोकप्रियता को जोड़कर नए दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। हालांकि फिलहाल मेकर्स की ओर से इसे लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। खबरें हैं कि फिल्म के मेकर्स ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का प्लान तैयार किया है। भव्य सेट, दमदार म्यूजिक और स्टाइलिश विजुअल्स के साथ यह फिल्म दर्शकों को नया अनुभव देने वाली

है। हालांकि कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह एक एनर्जेटिक एंटरटेनर होगी, जो हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित करेगी।

नितांशी का बढ़ता सफर

सिर्फ यही नहीं, नितांशी को एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है। खबरों के अनुसार, वह अभय वर्मा के साथ रत्ना सिन्हा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में भी नजर आ सकती हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म शादी में जरूर आना के सीक्वल के तौर पर तैयार की जा रही है।

कान रेड कार्पेट पर भी छाई

नितांशी ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। वहां उन्होंने अपने लुक्स से पुराने दौर की दिग्गज अभिनेत्रियों- रेखा, मधुबाला, मीना कुमारी, नरगिस और श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया। उनके इस अंदाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

लापता लेडीज से मिली पहचान

किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज में नितांशी गोयल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। उनके साथ इस फिल्म में प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। साधारण लड़की के किरदार को उन्होंने जिस गहराई और मासूमियत से निभाया, उसने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। इसी फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री का उभरता सितारा बना दिया।

भाई टोनी के साथ नया गाना कोका कोला-2 लेकर आ रही हैं नेहा कक्कड़

मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ फैंस के लिए तोहफा लेकर आ रहे हैं। नेहा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि वह कोका-कोला गाने का नया वर्जन लेकर आ रही हैं। नेहा कक्कड़ ने फैंस की उत्सुकता बढ़ाने के लिए इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्ट साझा किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कोका कोला-2 जल्द ही आने वाला है। तस्वीरों में नेहा भाई टोनी और जूनियर के साथ नजर आ रही हैं। नेहा एक शानदार लग्जरी कार पर स्टाइलिश पोज दे रही हैं, जबकि उनके दोनों तरफ भाई टोनी कक्कड़ और छोटा जूनियर खड़े हैं। नेहा ने कैप्शन में लिखा, कोका कोला-2 जल्द ही आने वाला है। यह पोस्ट देख फैंस गाने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इस नए वर्जन में टोनी कक्कड़ ने कम्पोजिंग, प्रोडक्शन और लिरिक्स का जिम्मा संभाला है। फैंस को उम्मीद है कि उनका क्रिएटिव टच हमेशा की तरह इस बार भी धमाकेदार रहेगा। डायरेक्शन का दमदार काम इनफ्लिक्ट ने संभाला है। बता दें, सॉन्ग कोका-कोला पहले टोनी कक्कड़ ने रैपर यंग देसी के साथ मिलकर बनाया था, जिसके बाद यह काफी वायरल हुआ था। इसके बाद इसे 2019 में फिल्म लुक्का-छुप्पी में नए वर्जन में रिलीज किया गया था। गाने को नेहा और टोनी कक्कड़ ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। इसके लिरिक्स टोनी और मैलो-डी ने मिलकर लिखे थे। वहीं टोनी ने संगीतबद्ध भी किया था। रैपिंग का काम यंग देसी ने किया था। अब यह गाना फैंस की उम्मीदों को पूरा करने को बेताब है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने की सगाई!

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के अफेयर की खबरें अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। कथित तौर पर एक निजी समारोह में इन दोनों ने सगाई कर ली है। अगले साल फरवरी में इनके घर शहनाई बज सकती है।

निजी समारोह में हुई सगाई

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों की सगाई एक प्राइवेट सेरेमनी में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के बीच हुई है। कहा यह भी जा रहा है कि दोनों ने अपनी शादी का एलान करने से पहले कुछ दिनों इंतजार करने का फैसला लिया है। इसलिए सगाई को लेकर भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

रश्मिका के हालिया पोस्ट ने दी अफवाहों को हवा

रश्मिका मंदाना और विजय की सगाई की रूमर्स दरअसल, रश्मिका के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुई। रश्मिका ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे साड़ी में नजर आ रही हैं। यह दशहरा के अवसर की तस्वीरें हैं। रश्मिका ने इन्हें साझा कर फैंस को दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं और थामा के ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिलने पर शुक्रिया कहा है। मगर, नेटिजन्स ऐसे कयास लगा रहे हैं कि रश्मिका की यह फोटोज विजय के घर की हैं और दोनों की सगाई हो गई है। हालांकि, सगाई की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। न ही कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है।

पहले भी आती रही हैं ऐसी खबरें

बता दें कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी और सगाई से जुड़ी खबरें पहले भी आती रही हैं। कल रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म द गर्लफ्रेंड पर एक बड़ा एलान होने वाला है। ऐसे में दावे यह भी किए जा रहे हैं कि कहीं इसी सिलसिले में यह कोई पीआर स्टंट तो नहीं है। अब विजय और रश्मिका ने वाकई सगाई कर ली है या नहीं, यह तभी स्पष्ट हो पाएगा, जब दोनों की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी।

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने किया रिएक्ट

बीते कुछ वक्त से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर बहस चल रही है। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे काम करने की मांग की थी, जिसके बाद उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा की आगामी फिल्म स्पिरिट' को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया था। इसपर कई सेलेब्स ने भी प्रतिक्रिया दी है। अब काम के घंटे को लेकर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने भी रिएक्ट किया है। साथ ही उन्होंने निर्देशन में अपने करियर को लेकर भी बात कही है।

शूटिंग के दौरान भी कैसी रखती थीं बच्चे का ख्याल?

एएनआई से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने फिल्म हिचकी की शूटिंग के दिनों को याद किया और अपनी बेटी आदिरा के पालन-पोषण के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने हिचकी की थी, तब आदिरा 14 महीने की थी। मुझे सबकुछ करके शहर के एक कॉलेज में शूटिंग करने जाना होता था।'

काम के बीच में जिम्मेदारियों को भी बैलेंस किया

आगे उन्होंने फिल्म की शूटिंग और पारिवारिक जिम्मेदारी के बीच में बैलेंस का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जुहू स्थित मेरे घर से शूटिंग की जगह तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते थे और ट्रैफिक भी बहुत ज्यादा रहता था। इसलिए मैंने तय किया था कि बेटी के लिए सबकुछ करके 6.30 बजे निकल जाती और शूटिंग शुरू कर देती। मेरा पहला शॉट सुबह 8 बजे होता था और मैं 12.30 से 01 बजे तक सब कुछ निपटा लेती थी। मेरे क्रू मेंबर्स बहुत योजनाबद्ध थे, जिस वजह से उन 6-7 घंटों में मैं अपनी शूटिंग पूरी कर लेती थी। शहर में ट्रैफिक शुरू होने से पहले, मैं 3 बजे तक घर पहुंच जाती थी। मैंने अपनी फिल्म इसी तरह की।'

काम के घंटे आपसी समझ पर आधारित हैं

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने कहा, 'आजकल ये बातें चर्चा में हैं क्योंकि शायद लोग बाहर इस पर चर्चा कर रहे हैं। लेकिन यह सभी कार्यों का एक सामान्य नियम रहा है। मैंने भी ऐसा किया है, जहां मैंने कुछ घंटों तक काम किया है। अगर निर्माता को इससे कोई आपत्ति नहीं है, तो आप फिल्म नहीं करते। इसलिए यह भी एक विकल्प है। कोई किसी पर कुछ भी थोप नहीं रहा है।'

रानी मुखर्जी का वर्कफ्रंट

रानी मुखर्जी के काम की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्म मर्दानी 3 है।

बताया कब करेंगी निर्देशन

अभिनेत्री से उनकी निर्देशने को लेकर रुचि के बारे में सवाल किया गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि मैं इस पेशे में हमेशा कहती हूं कि कभी ना मत कहो। मुझे लगता है कि मैं जिस तरह की इंसान हूं, मुझे पता होता है कि मैं कब निर्देशन के लिए तैयार हूं या मुझे पता होता है कि वह समय कब आएगा। अभी, मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। अभी, मैं एक अभिनेत्री होने और निर्देशित होने से बहुत खुश हूं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।